रंगमोहल चारों ओर की शोभा

बड़ी रांग

8 सागर & 8 जिमी

परिकरमा 7

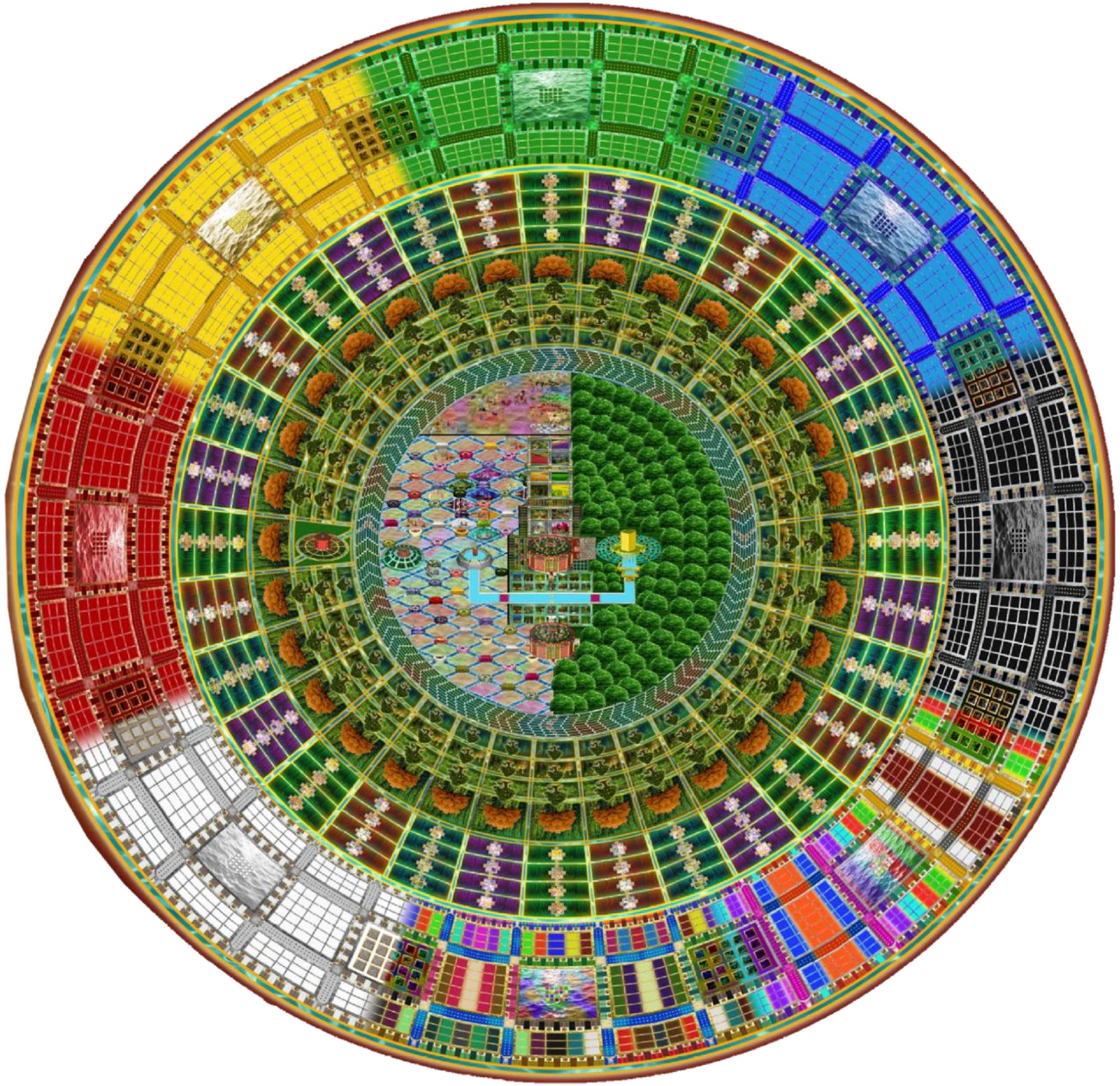

बड़ी रांग
8 सागर & 8 जिमी

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

Quiz

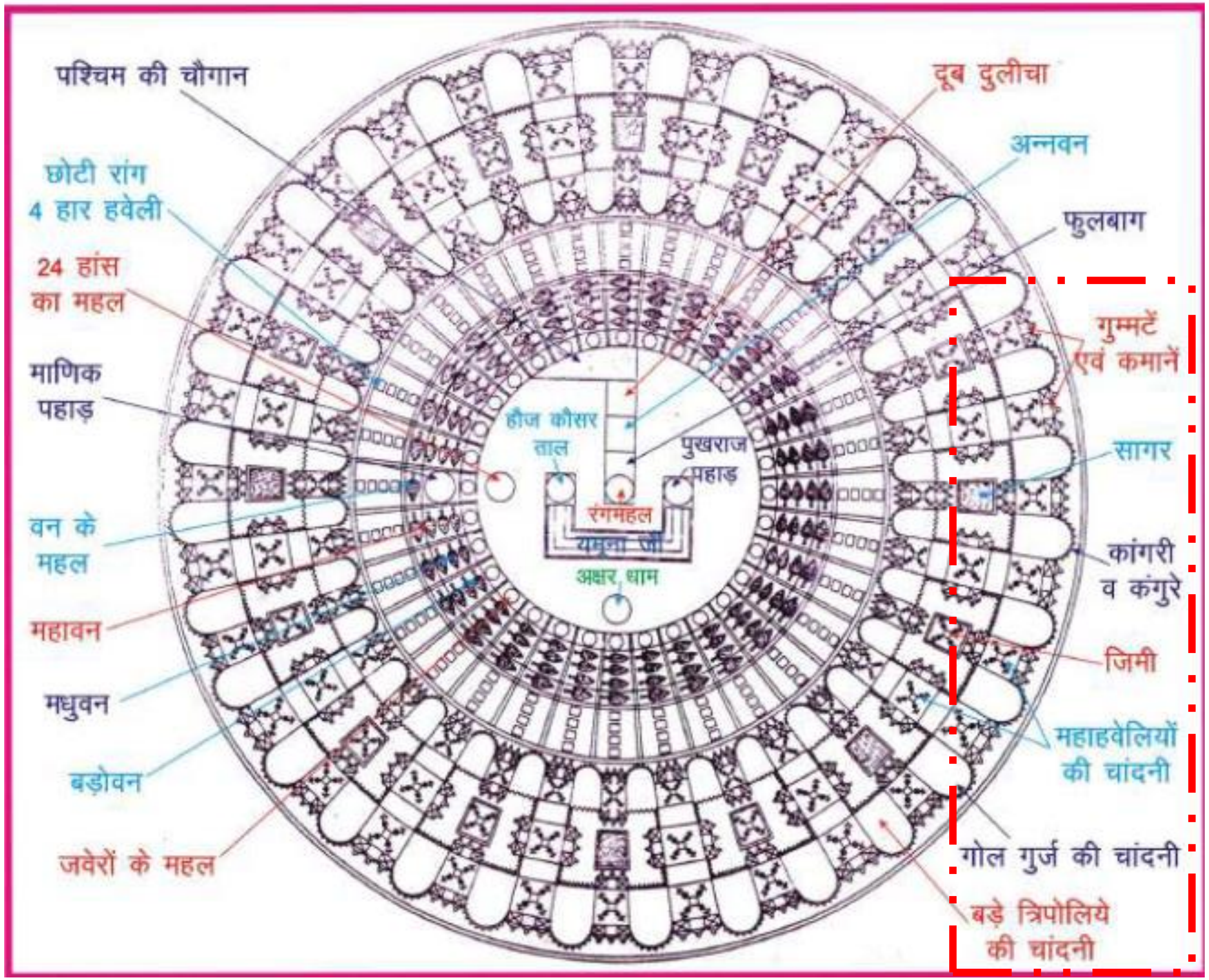
पश्चिम की चौगान
छोटी रांग
4 हार हवेली
24 हांस
का महल
माणिक
पहाड़
वन के
महल
महावन
मधुवन
बड़ोवन
जवेरों के महल
दूब दुलीचा
अन्नवन
फुलबाग
गुम्मटें
एवं कमानें
सागर
कांगरी
व कंगुरे
जिमी
महाहवेलियों
की चांदनी
गोल गुर्ज की चांदनी
बड़े त्रिपोलिये
की चांदनी
हौज कौसर
ताल
पुखराज
पहाड़
रंगमहल
यमुना जी
अक्षर धाम

Quiz

बड़ी रांग - 8 सागर & 8 जिमी

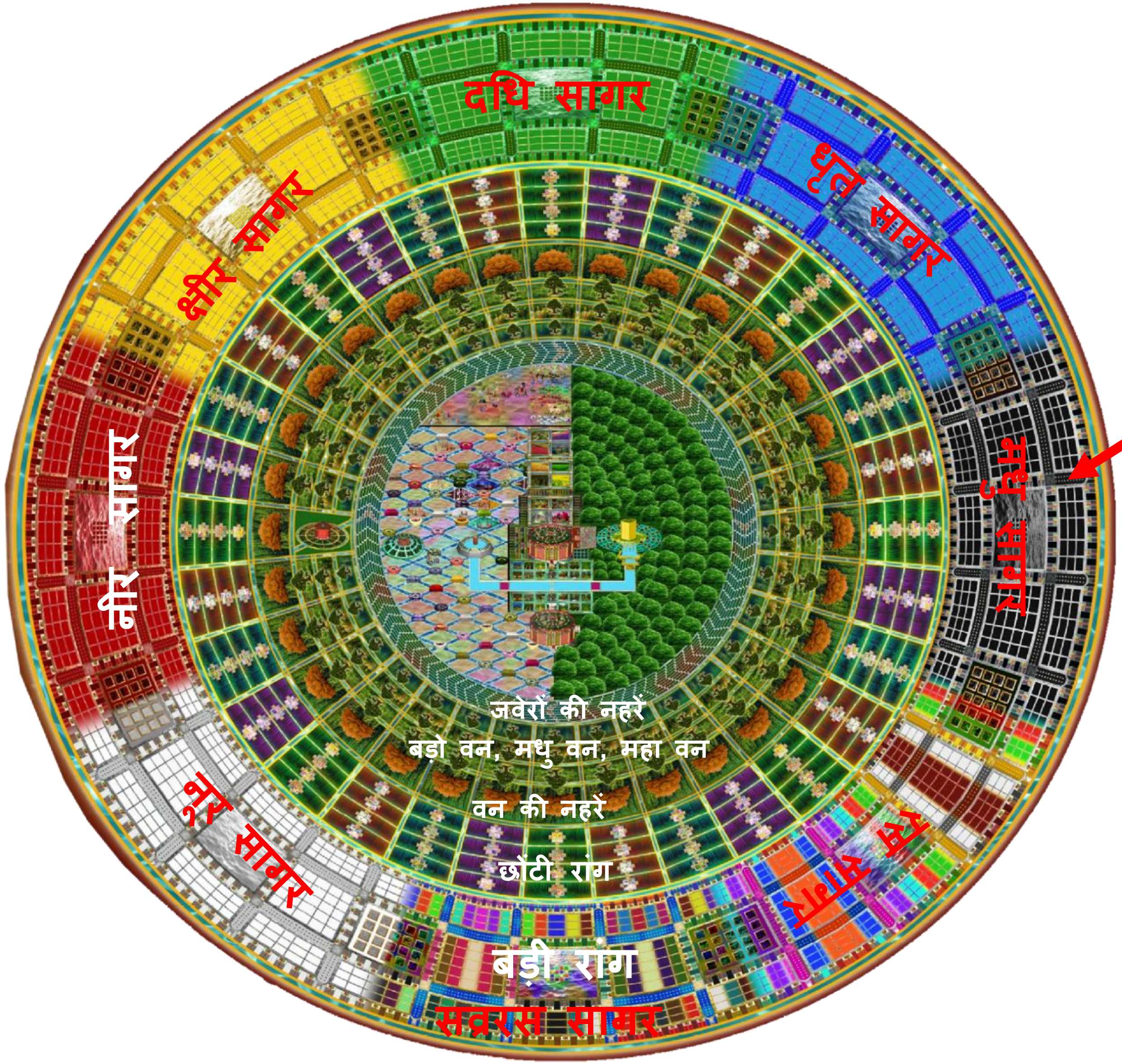

परमधाम विहार
परिकरमा 7

शुक्ल पक्ष (सुद) आठ सागर	
एकम	बड़ी रांग – नूर सागर
बीज	बड़ी रांग – नीर सागर
त्रीज	बड़ी रांग – क्षीर सागर
चोंथ	बड़ी रांग – दधि सागर
पंचम	बड़ी रांग – धृत सागर
छठ	बड़ी रांग – मधु सागर
सातम	बड़ी रांग – रस सागर
आठम	बड़ी रांग – सब्ररस सागर

Quiz

दधि सागर
क्षीर सागर
घृत सागर
बड़ी रांग : 80 महाहवेलियाँ
छोटी रांग : 4 हार हवेली
वन के महल
माणिक पहाड़
महावन
जवेरों के महल
पुखराज पहाड़
24 हांस का महल
हौज कौसर ताल
रंगमहल
नीर सागर
मधु सागर
जिमी
सागर
जिमी
नूर सागर
रस सागर
सर्वरस सागर

बड़ी रांग - 32 हांस, 8 सागर , 8 जिमी & 80 महाहवेली
12000 भोम (1 भोम 12000 कोस ऊंचाई),14 करोड़ 40 लाख भोम ऊंचाई

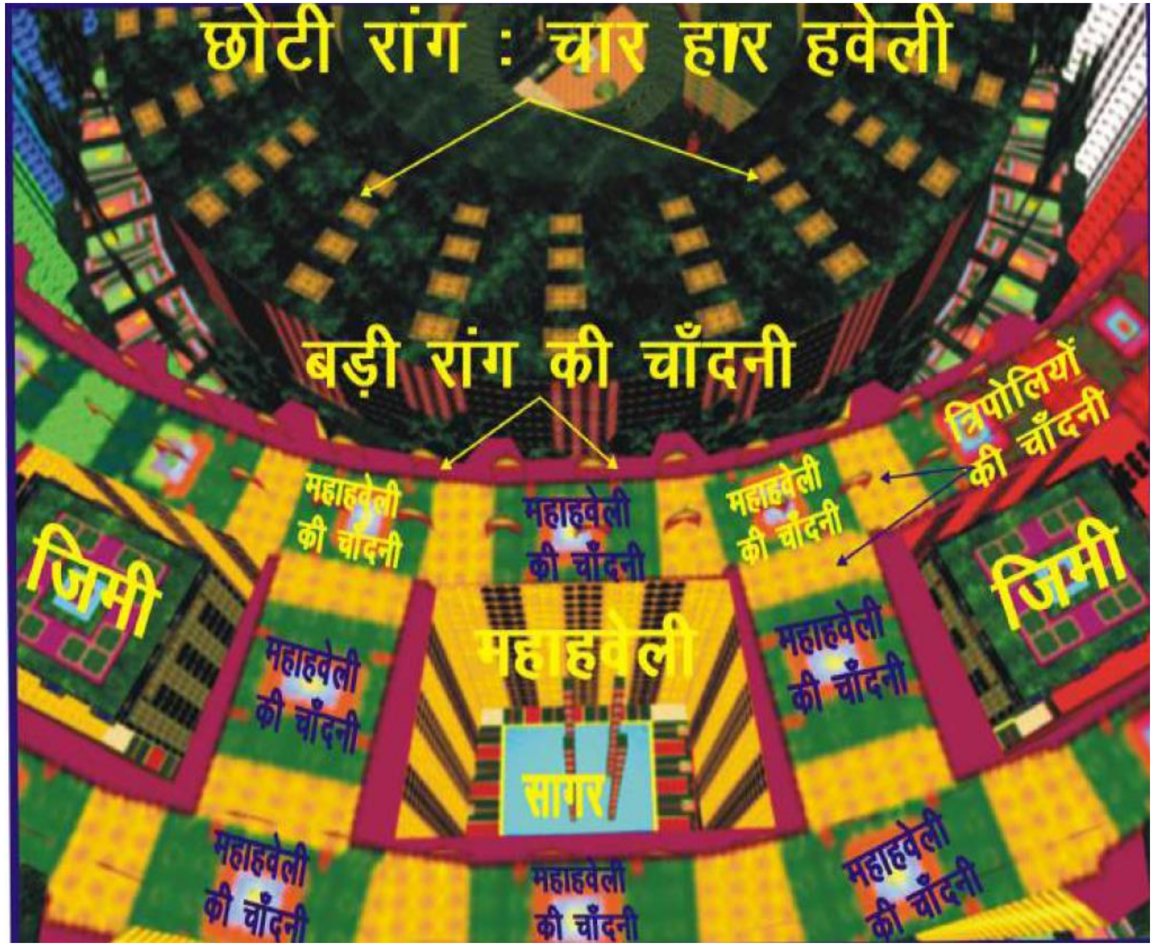

सागर किनारे मोहोल जो , सो जाए लगे आसमान।
ए मोहोल जुदी जुदी जिनसों, इत सुख चाहिए सागर समान।।

सागर – 8

- महाहवेली – 8, **2 करोड़ 25 लाख कोस की लम्बे चौडे**
  12000 हवेली की 12000 हारें
  - छोंटी हवली - 1200 कोस लंबी चौडी
    - दरवाजे , चबूतरा, मंदिर, महल , थंभ
  - हवेलियों के कोनों के चबूतरा
  - हवेलियों की त्रिपॉलिया
  - मध्य की हवेली
  - महाहवेली की चादनी
    - गुम्मत, बगीचे, बेठक
    - देहलान,ताल
    - टापू महल – 20 भोम
    - टापू महल की चादनी
- गोल गुर्ज - 4
  - बड़ी त्रिपॉलिया
- चादनी चोक - 12000
- बगीचे - 12000
- रोंस - 24000
- रेती का मेदान – 4
- जल गुप्त नहर - 2
- ताल – सागर का जल , 4 **करोड़ लंबा चौडा**
  - बगीचे, रोंस , वृक्ष
  - जल रों, जल चबूतरा
  - टापू महल – 12000 टापू महल की 12000 हारें
    - टापू महल की चादनी
      - गुम्मत, कमानें
      - बगीचे, बेठक
      - देहलान,ताल

जिमी – 8

- महाहवेली – 8, **2 करोड़ 25 लाख कोस की लम्बे चौडे**
  12000 हवेली की 12000 हारें
  - छोंटी हवली - 1200 कोस लंबी चौडी
    - दरवाजे , चबूतरा, मंदिर, महल, थंभ
  - हवेलियों के कोनों के चबूतरा
  - हवेलियों की त्रिपॉलिया
  - मध्य की हवेली
  - महाहवेली की चादनी
    - गुम्मत, बगीचे, बेठक
    - देहलान,ताल
    - टापू महल – 20 भोम
    - टापू महल की चादनी
- गोल गुर्ज - 4
  - बड़ी त्रिपॉलिया
- चादनी चोक - 12000
- बगीचे - 12000
- रोंस - 24000
- रेती का मेदान – 4
- मध्य की महाहवेलि
  - 12000 हवेली की 12000 हारें
  - महाहवेलि की चादनी
    - गुम्मत, बगीचे, बेठक
    - देहलान,ताल
    - टापू महल – 20 भोम
    - टापू महल की चादनी

बड़ी रांग – आठ सागर एवं आठ जिमी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

Quiz

बड़ी रांग – एक सागर के चारों तरफ की शोभा

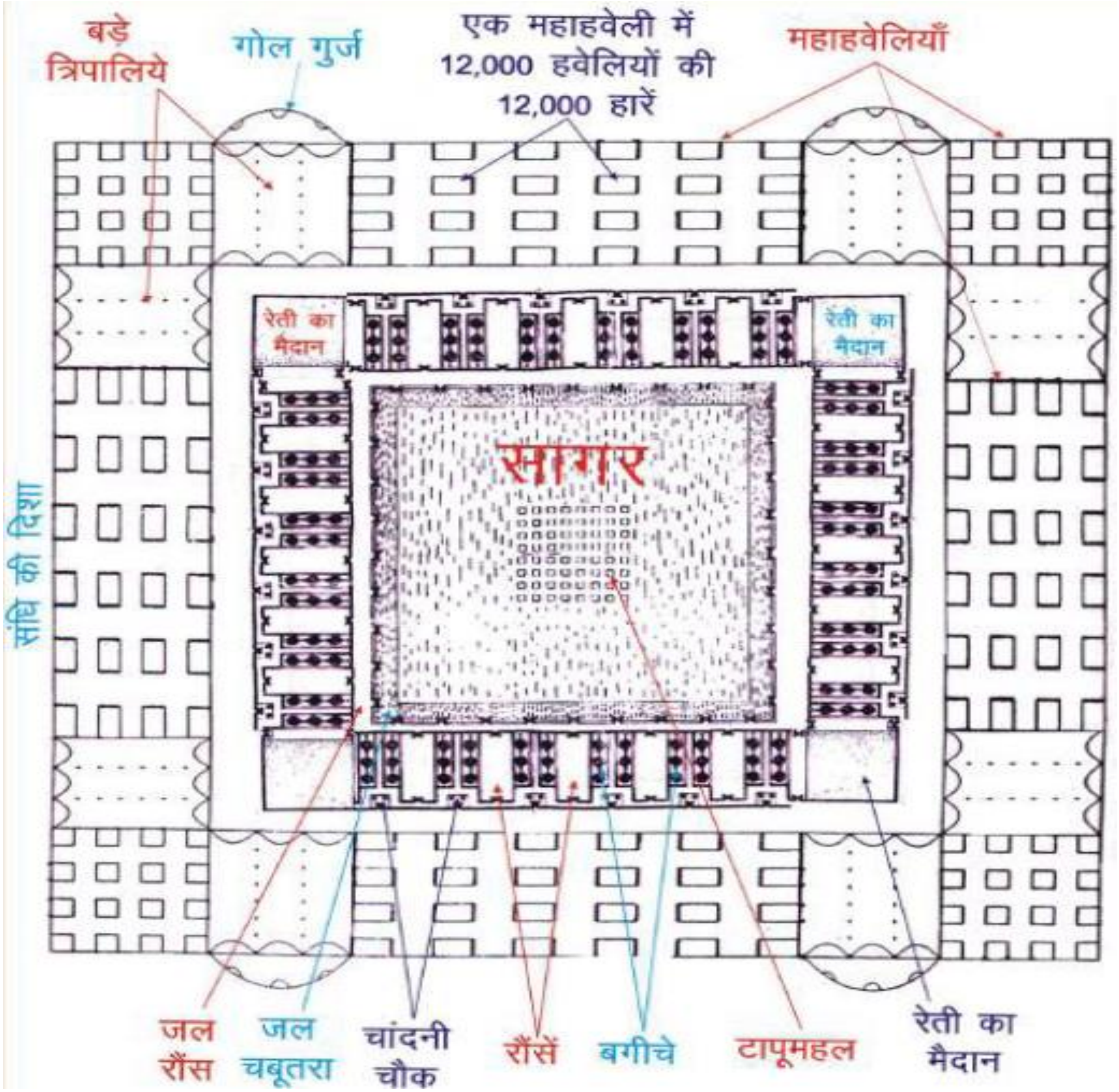

सागर – 8

- महाहवेली – 8, **2 करोड़ 25 लाख कोस की लम्बे चौडे**
  12000 हवेली की 12000 हारें
  - छोंटी हवली - 1200 कोस लंबी चौडी
    - दरवाजे , चबूतरा, मंदिर, महल , थंभ
  - हवेलियों के कोनों के चबूतरा
  - हवेलियों की त्रिपॉलिया
  - मध्य की हवेली
  - महाहवेली की चादनी
    - गुम्मत, बगीचे, बेठक
    - देहलान,ताल
    - टापू महल – 20 भोम
    - टापू महल की चादनी
- गोल गुर्ज - 4
  - बड़ी त्रिपॉलिया
- चादनी चोक - 12000
- बगीचे - 12000
- रोंस - 24000
- रेती का मेदान – 4
- जल गुप्त नहर - 2
- ताल – सागर का जल , 4 **करोड़ लंबा चौडा**
  - बगीचे, रोंस , वृक्ष
  - जल रों, जल चबूतरा
  - टापू महल – 12000 टापू महल की 12000 हाँरें
    - टापू महल की चादनी
      - गुम्मत, कमानें
      - बगीचे, बेठक
      - देहलान,ताल

Quiz

बड़ी रांग – एक सागर के चारों तरफ की शोभा

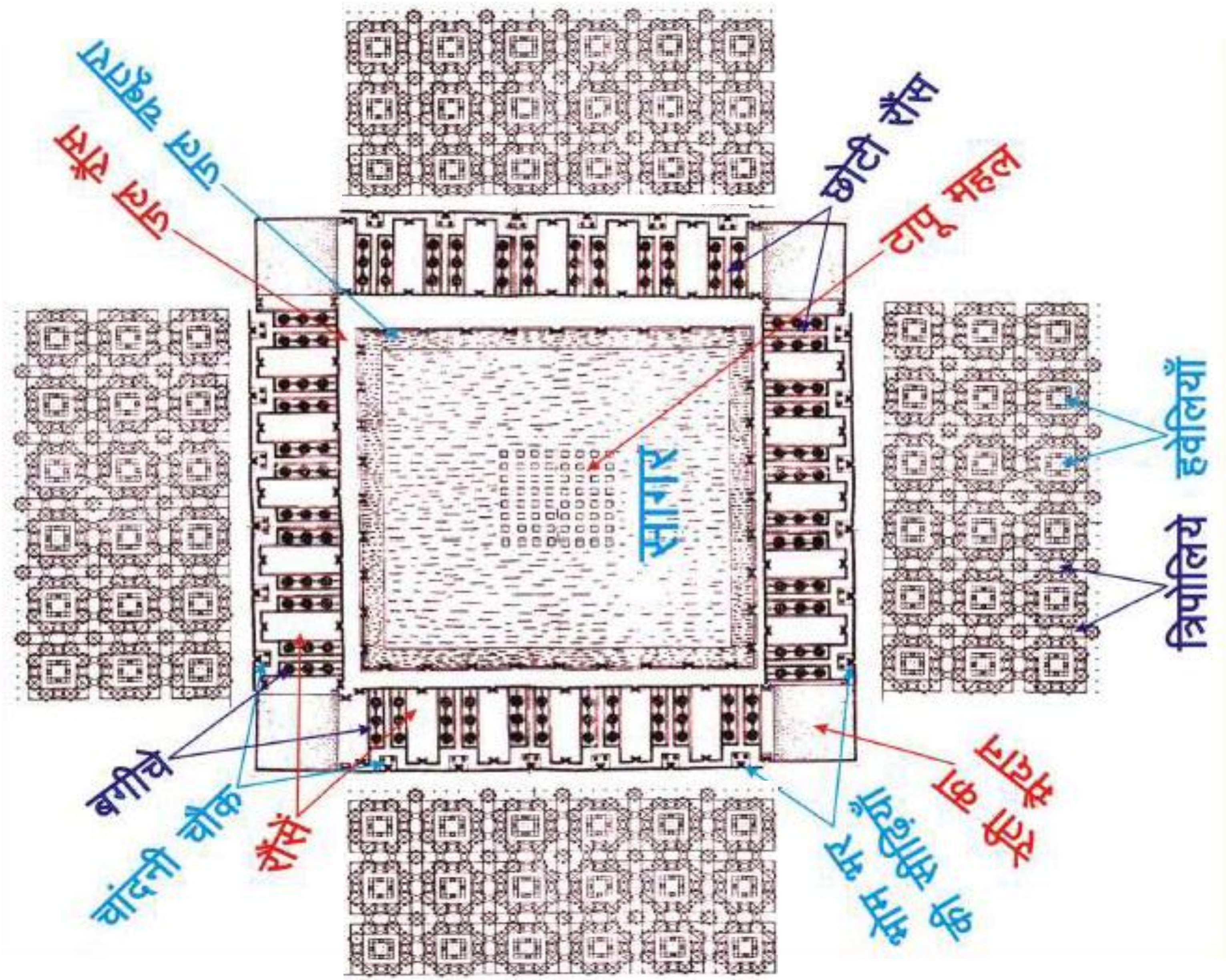

Quiz

बड़ी रांग – माहहवेली की शोभा (छोंटी रांग की side से)

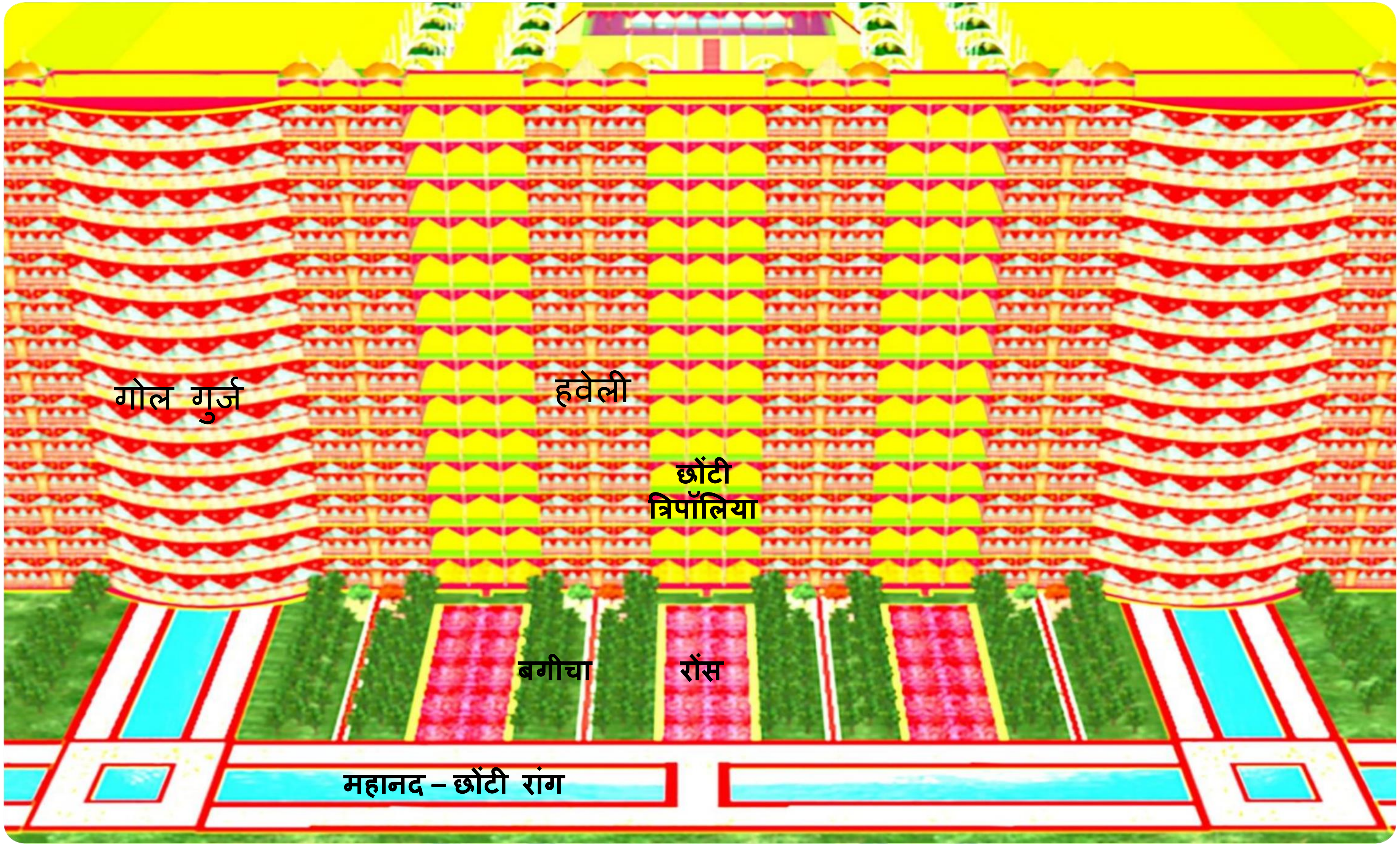

Quiz

बड़ी रांग – माहहवेली की शोभा (छोंटी रांग की side से)

Quiz

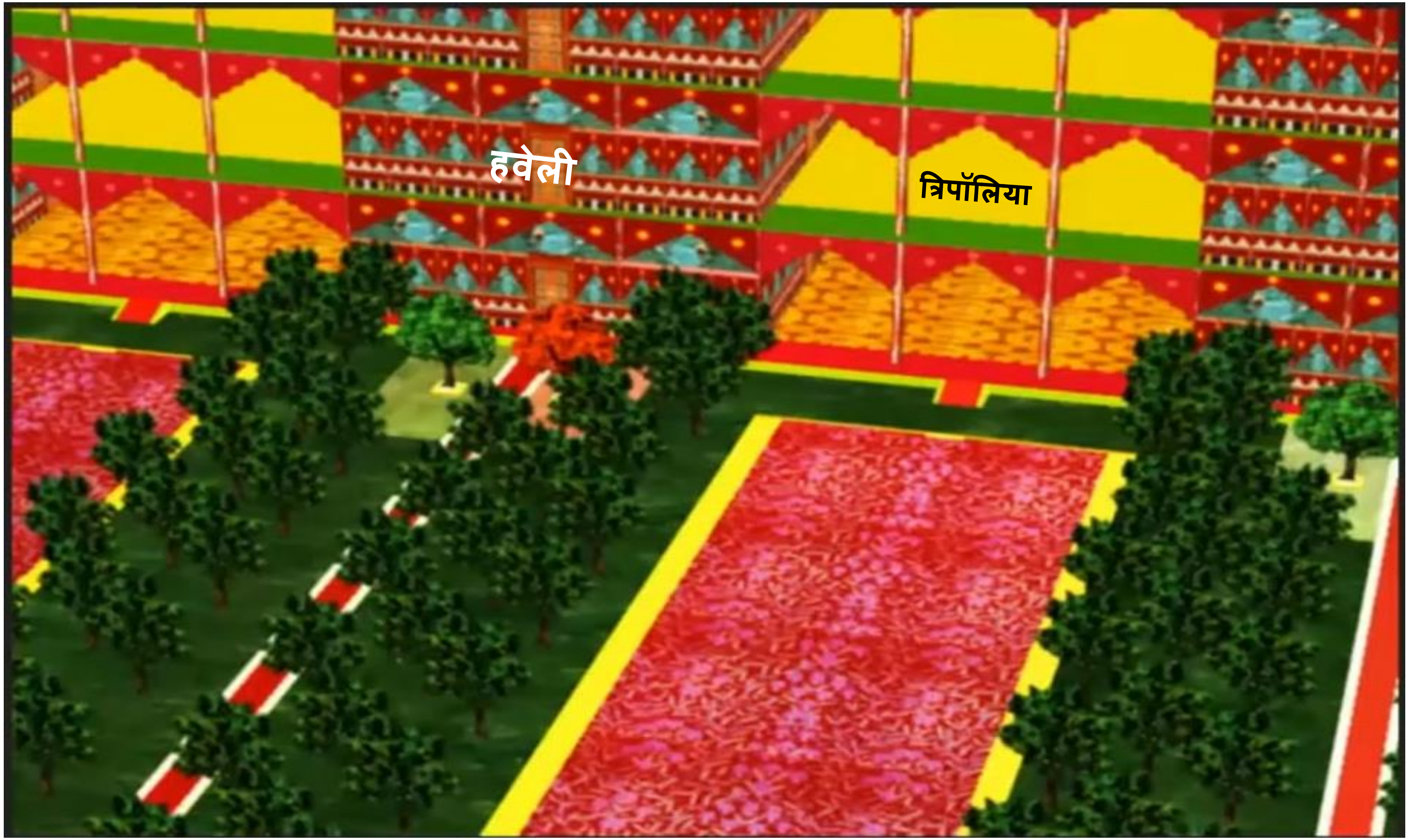

Quiz

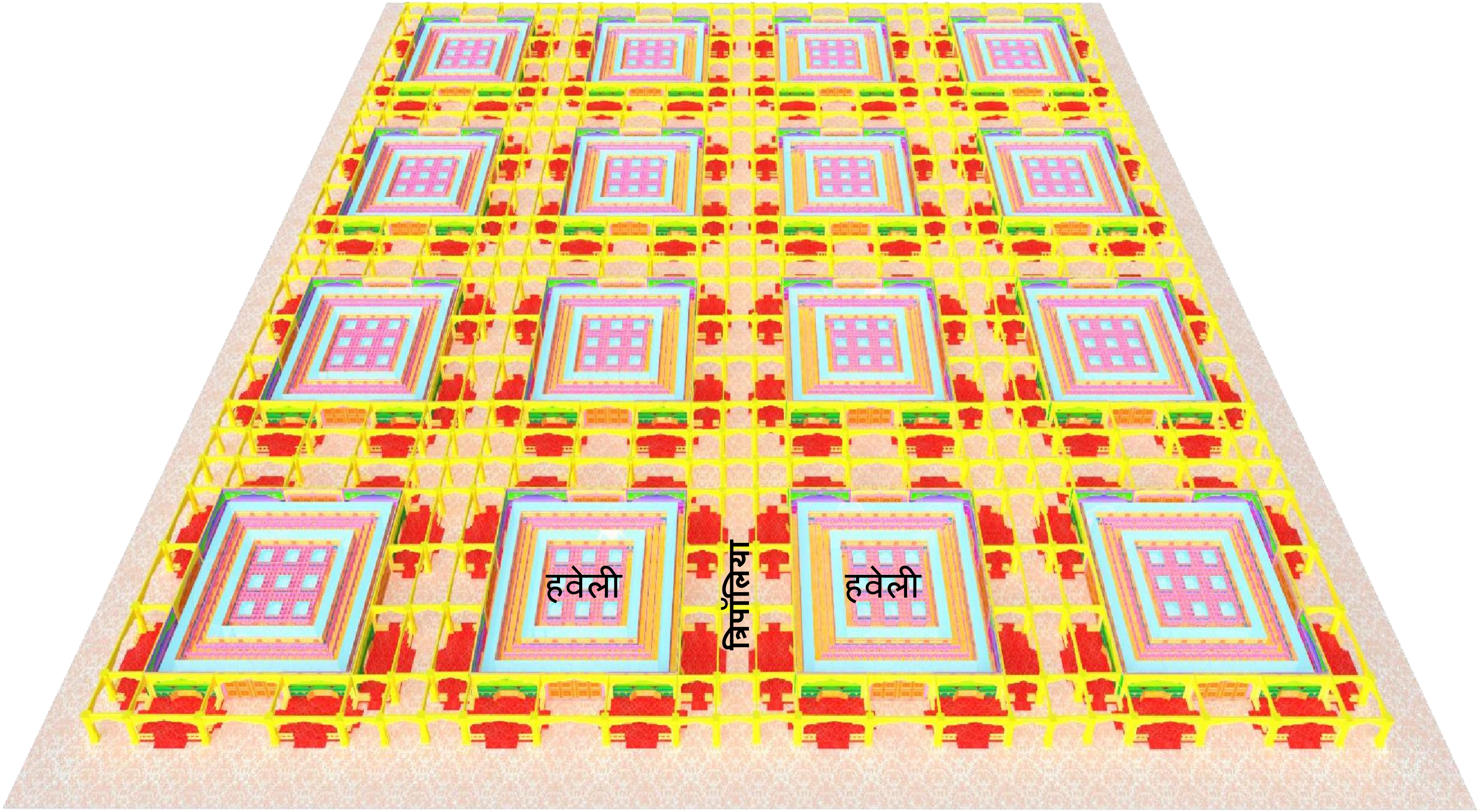

Quiz

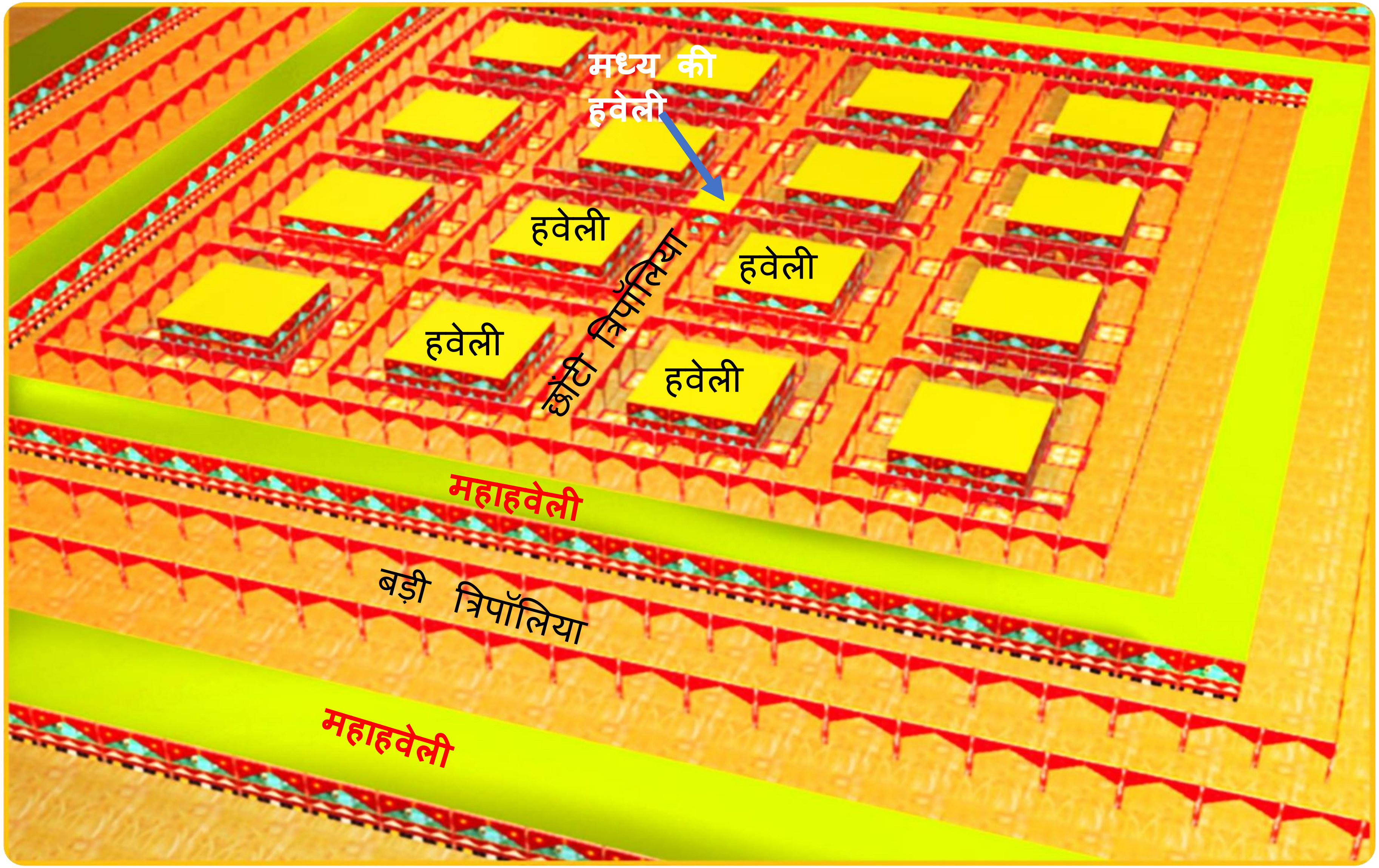

Quiz

बड़ी रांग –महाहवेली की हवेलियों की शोभा

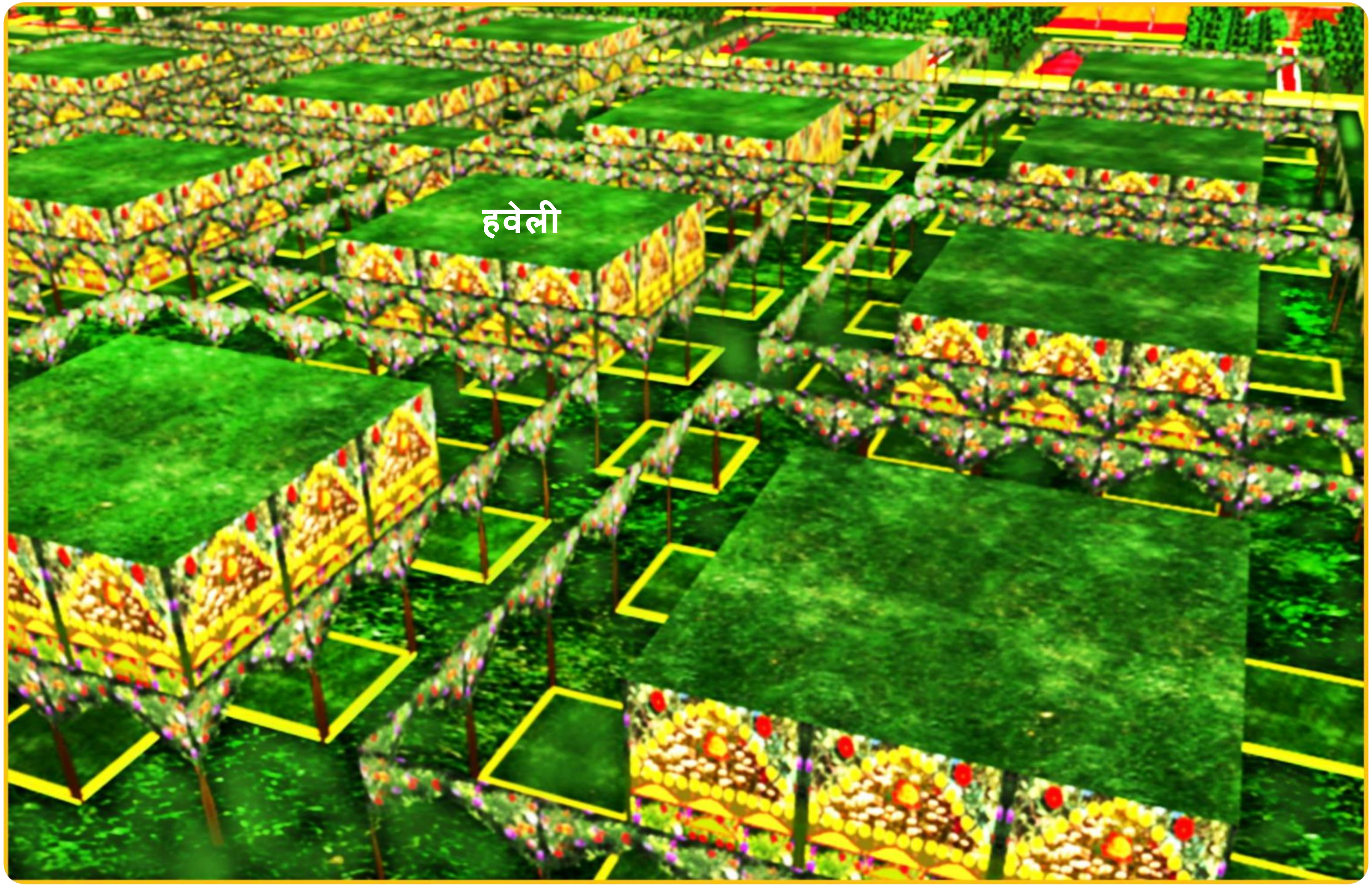

Quiz

बड़ी रांग – महाहवेली के मध्य हवेली की शोभा

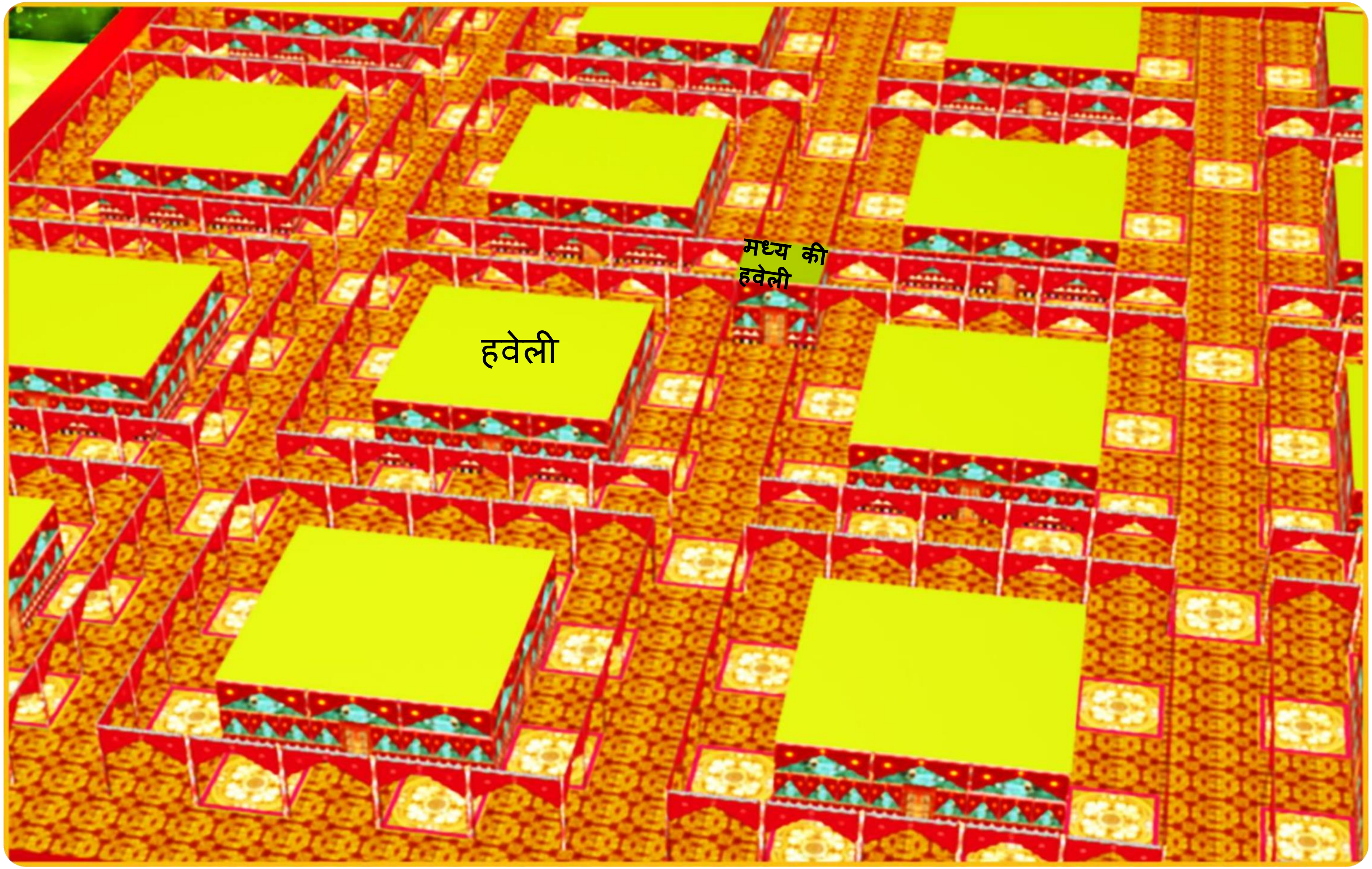

Quiz

बड़ी रांग — महाहवेली में एक हवेली की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

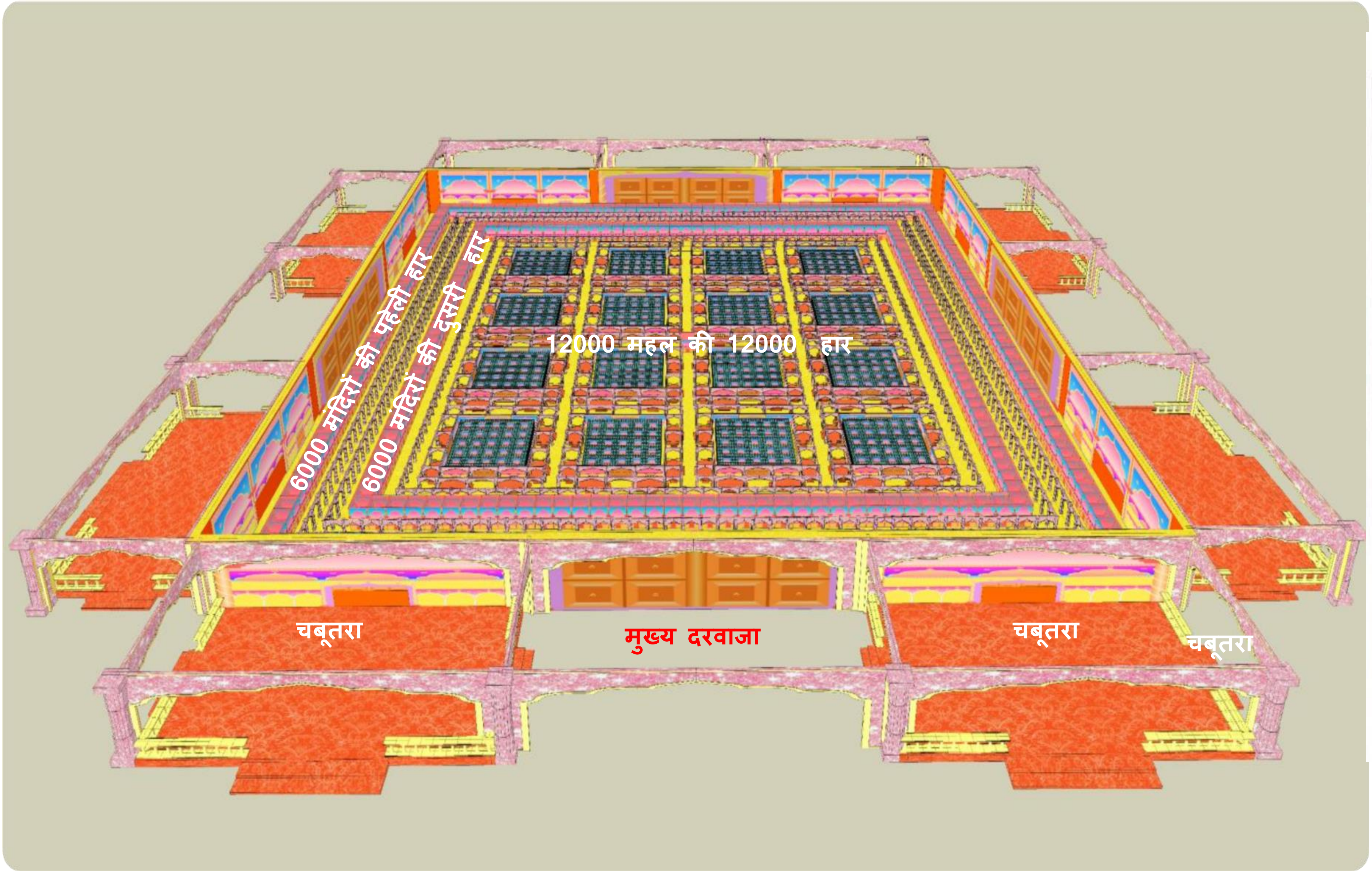

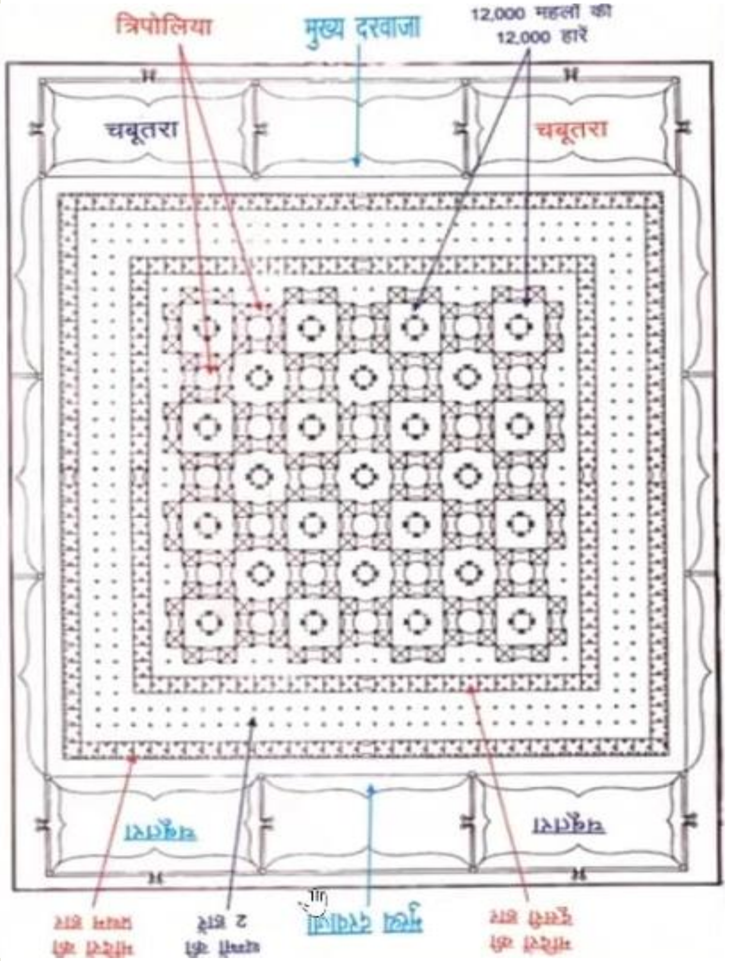

Quiz

बड़ी रांग – महाहवेली हवेली के मध्य की हवेली की शोभा

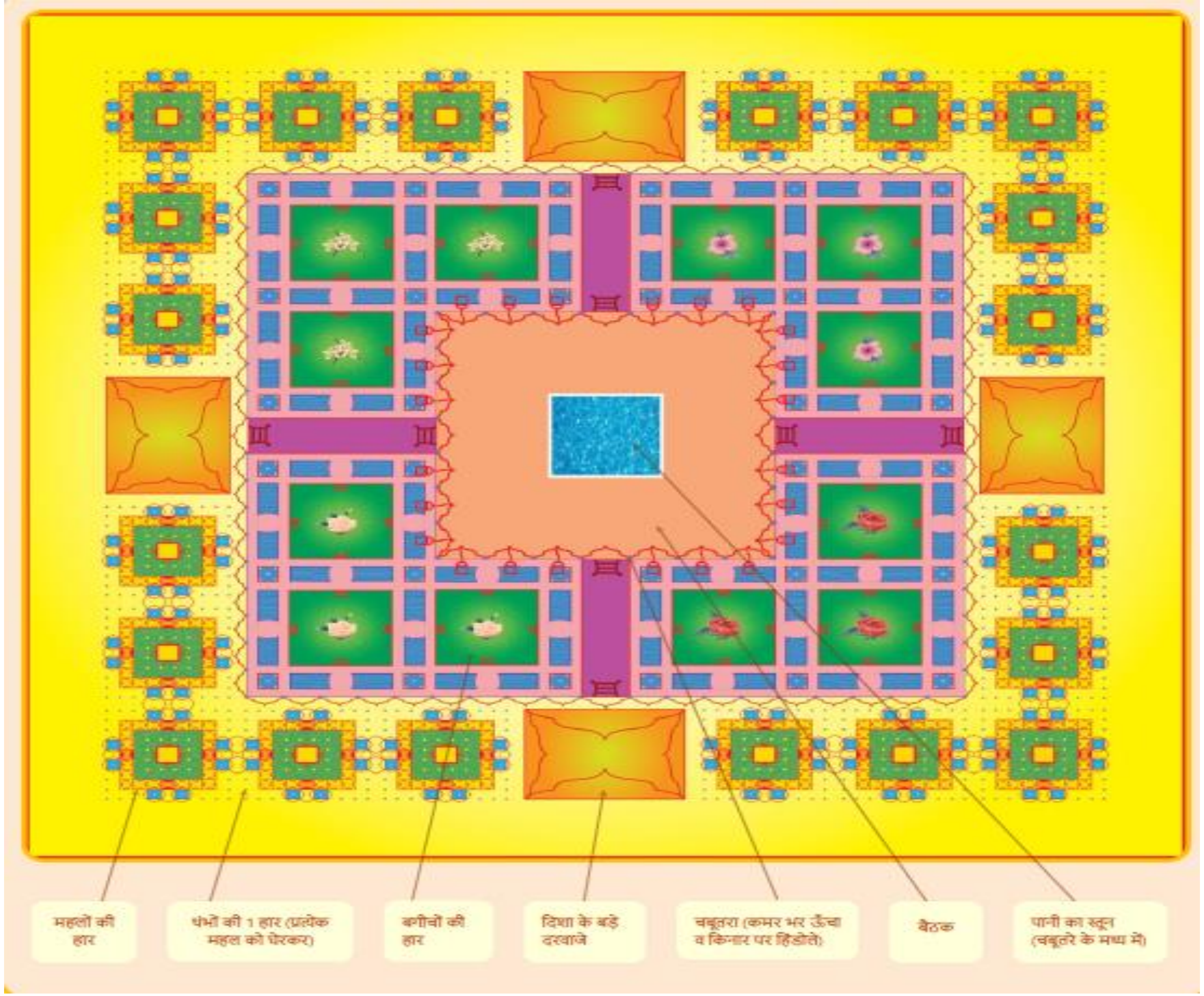

Quiz

बड़ी रांग – महाहवेली हवेली के मध्य की हवेली की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

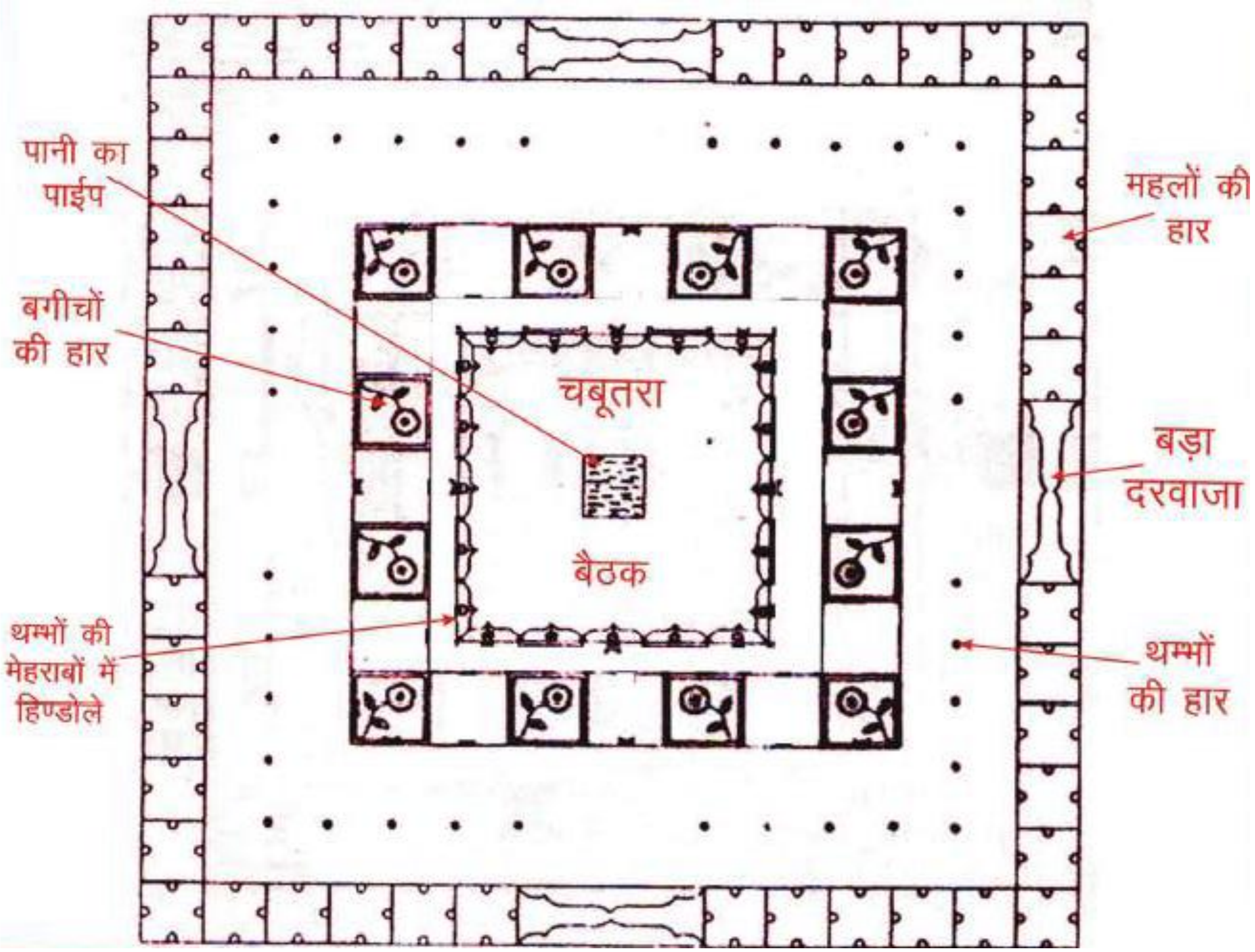

Quiz

बड़ी रांग – महाहवेली हवेली के मध्य की हवेली की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

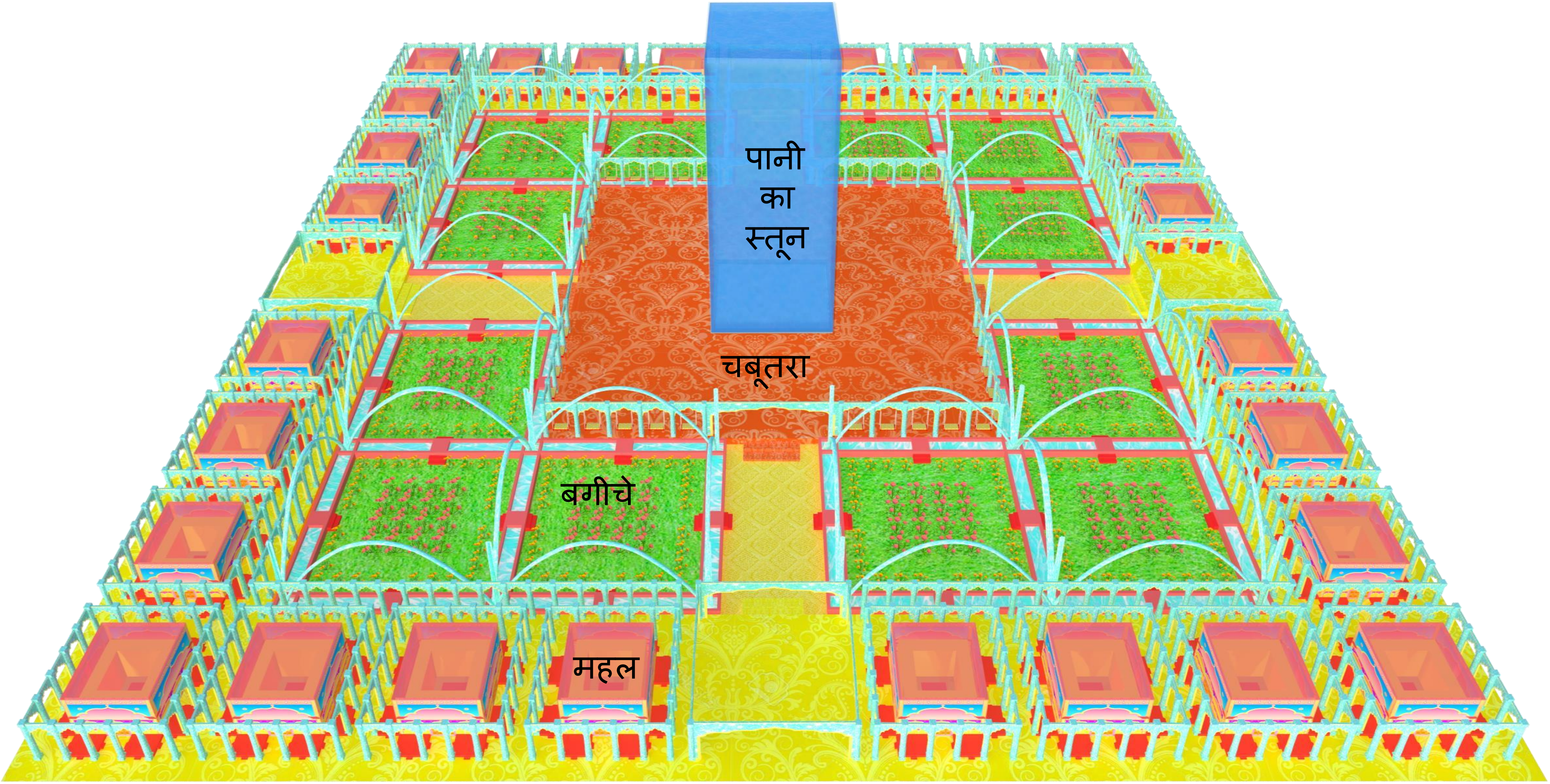

Quiz

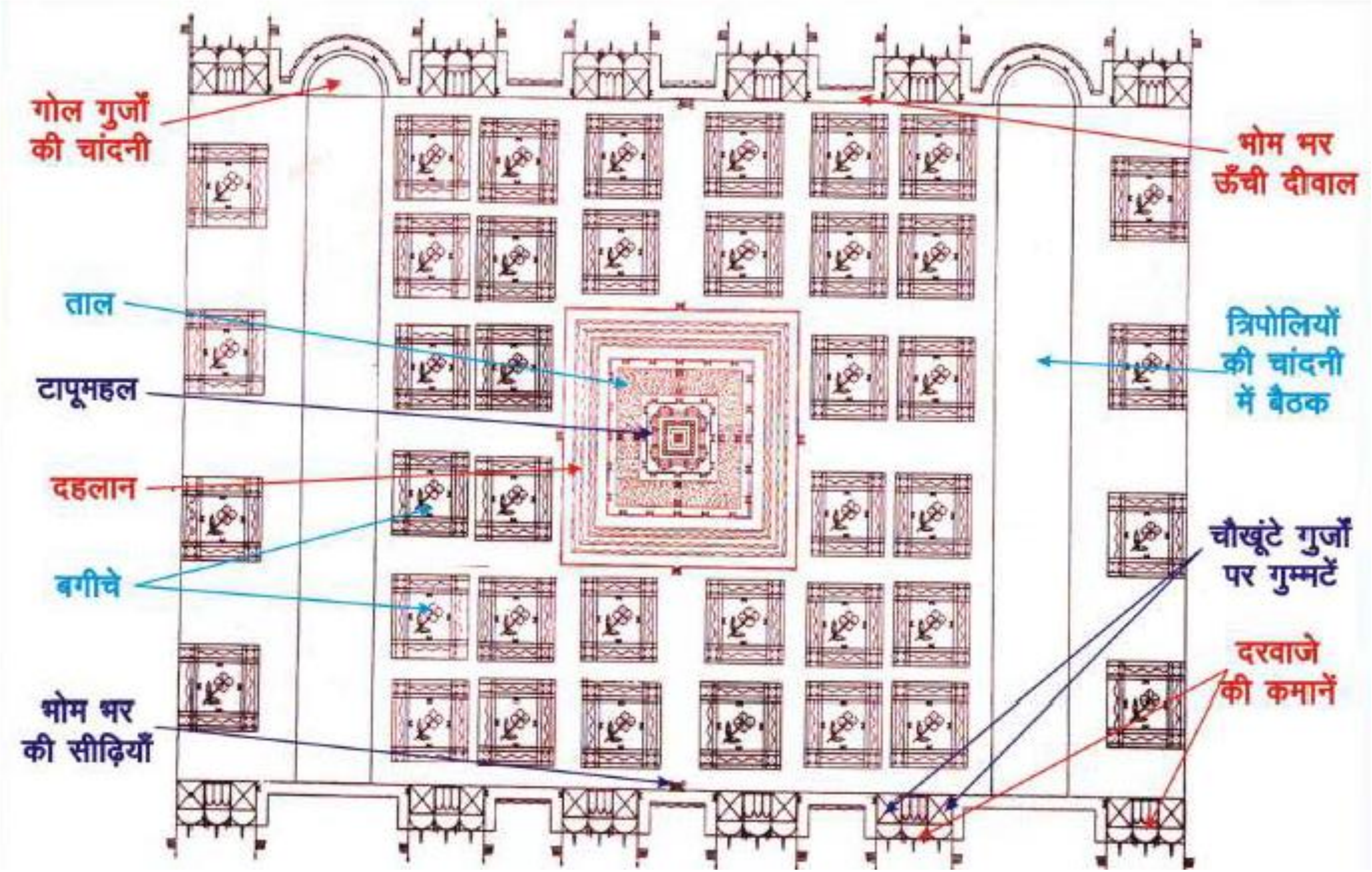
गोल गुर्जों की चांदनी
भोम भर ऊँची दीवाल
ताल
त्रिपोलियों की चांदनी में बैठक
टापूमहल
दहलान
चौखूंटे गुर्जों पर गुम्मटें
बगीचे
दरवाजे की कमानें
भोम भर की सीढ़ियाँ

Quiz

बड़ी रांग – महाहवेली की चादनी की शोभा

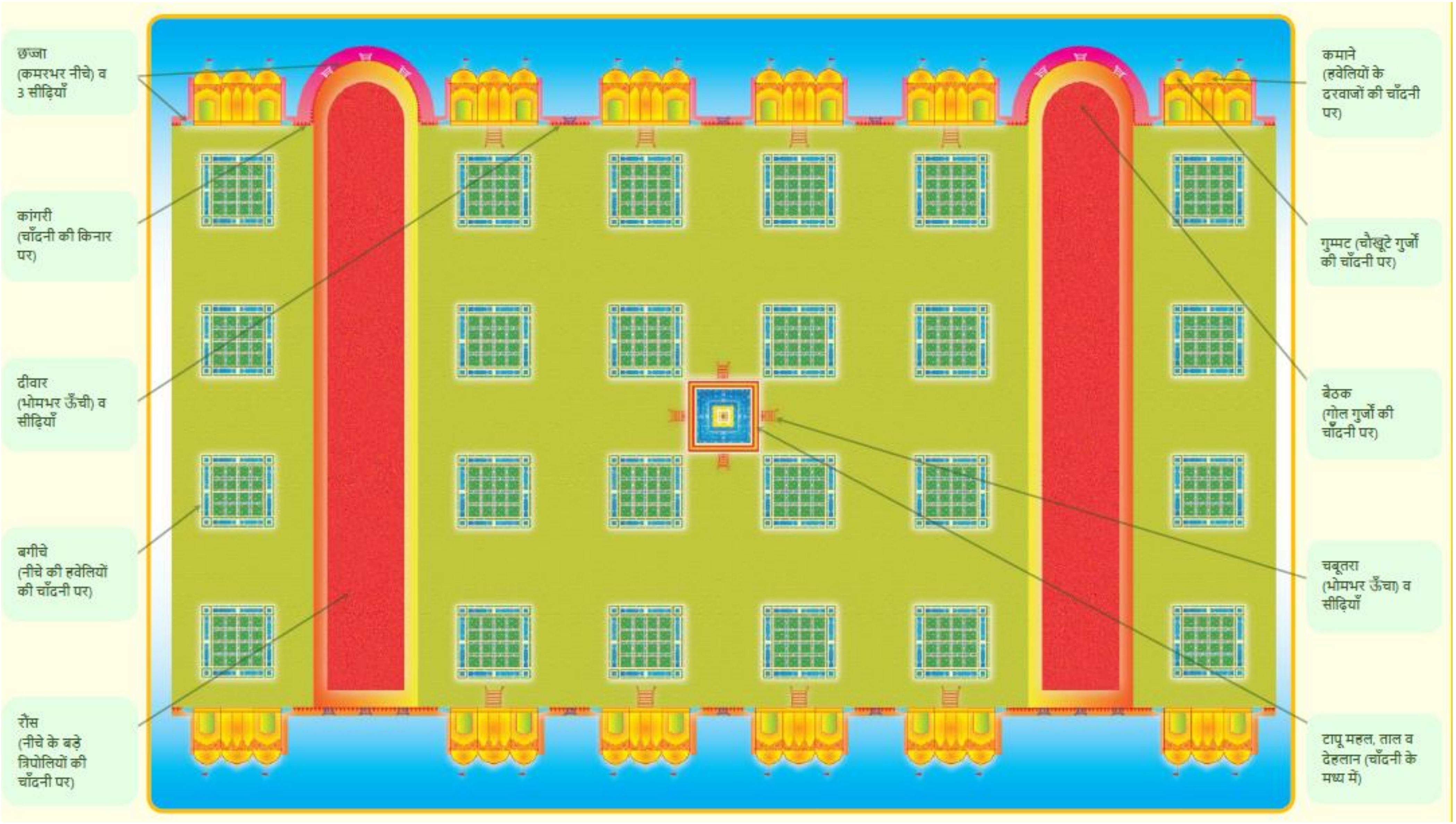

[Quiz](#)

भोम पर उंची दीवाल
सीढियाँ
टापु महल
बड़ी त्रिपोलियों की चादनी में बेठक
ताल
बगीचे
देहलान
बगीचे
बड़ी त्रिपोलियों की चादनी में बेठक
चबूतरा भोम पर
गुम्मटें चोखूटे गुर्ज पर
सीढियाँ भोम पर
महेराव/कमानें दरवाजे पर
बेठक गोल गुर्ज पर
बेठक गोल गुर्ज पर
छोंटी त्रिपॉलिया
हवेली

Quiz

बड़ी रांग – महाहवेली की चादनी की शोभा

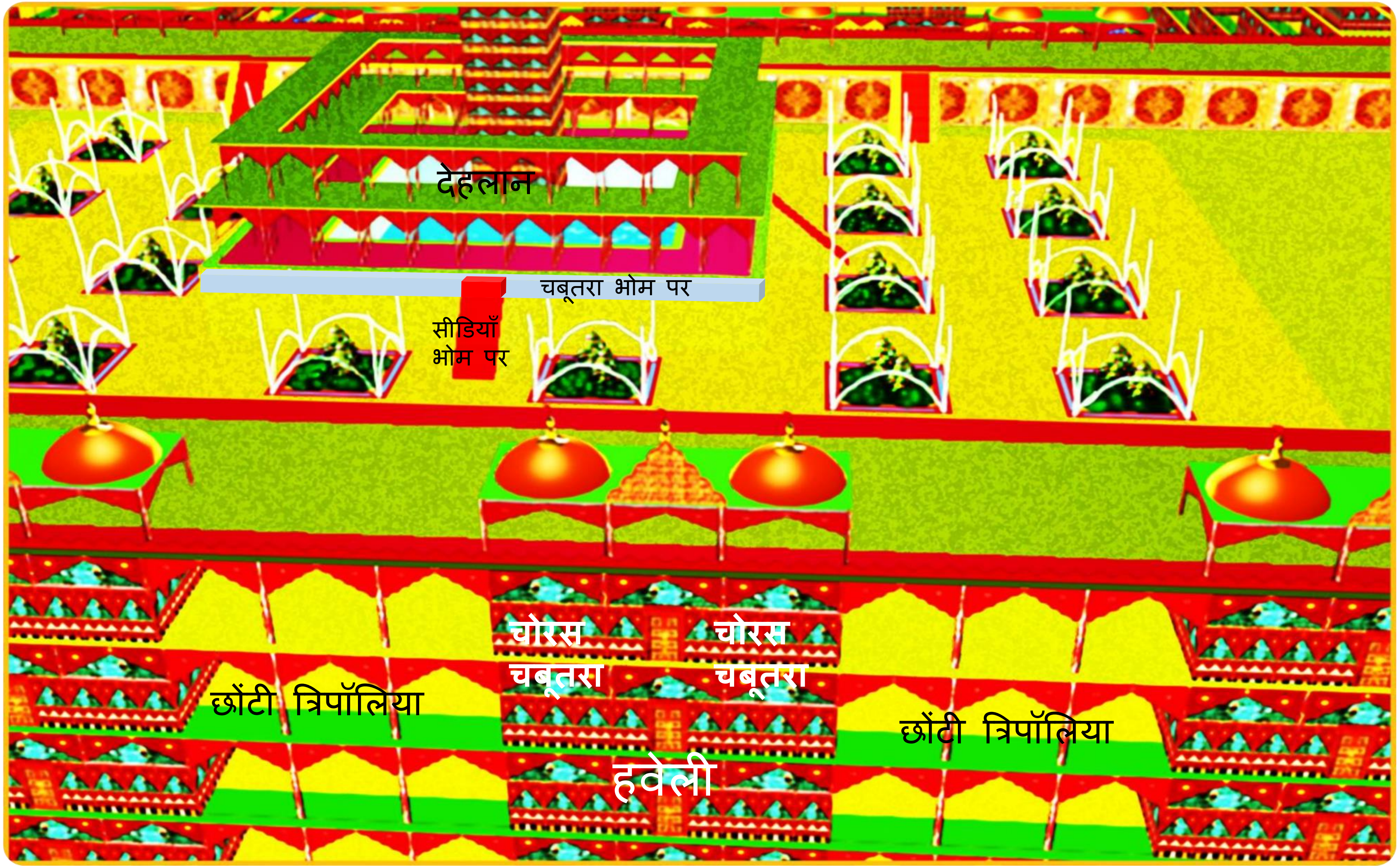

Quiz

महामत कहे सुनो मोमिनों, बीच टापू जल गिरदवाए।
ए अति ऊँचे मोहोल सुंदर, देखो अपनी रूह जगाए।।

Quiz

बड़ी रांग – महाहवेली की चादनी में ताल , तापू महल एवं देहलान की शोभा

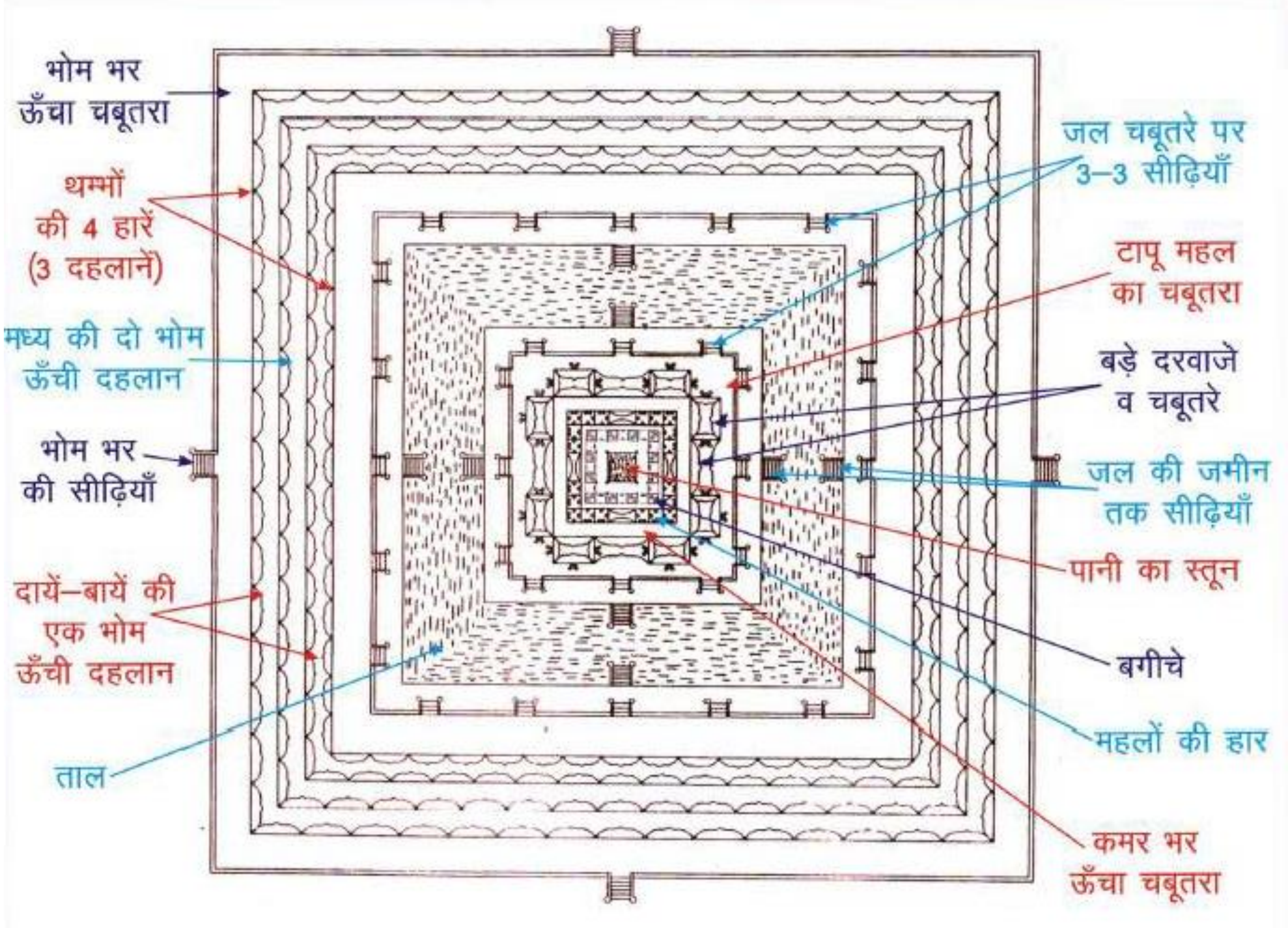

Quiz

बड़ी रांग – महाहवेली हवेली की चादनी में ताल , तापू महल एवं देहलान की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

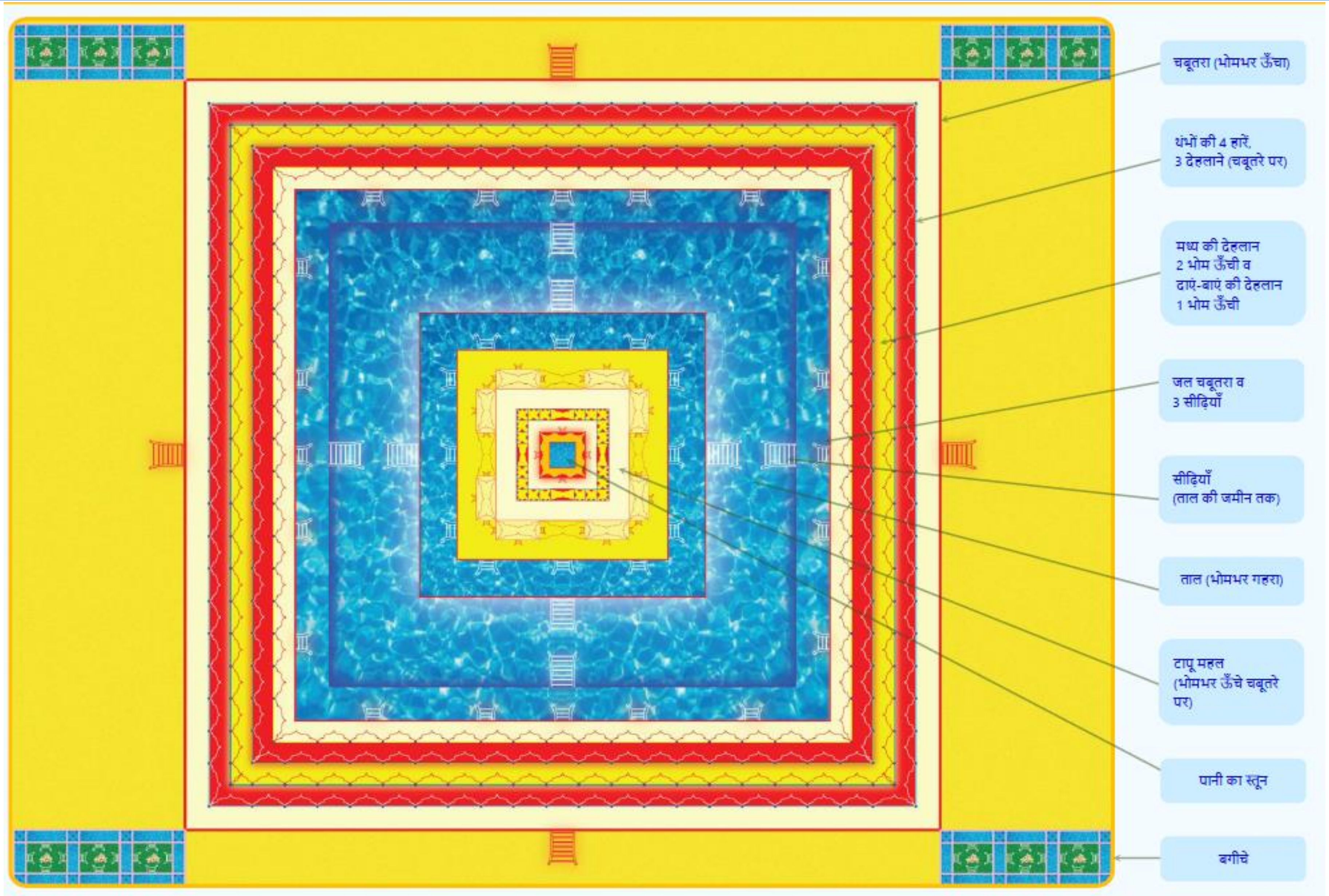

Quiz

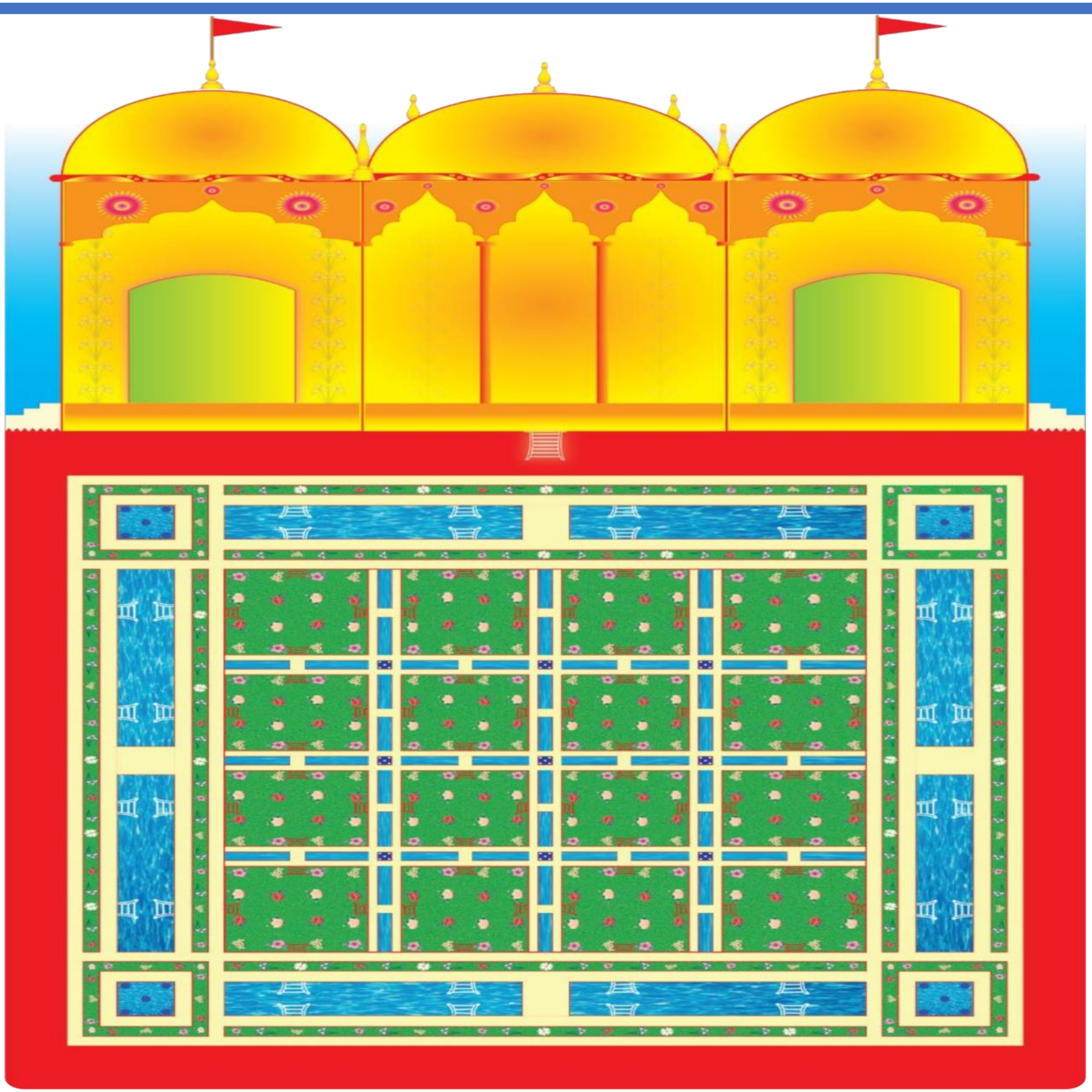

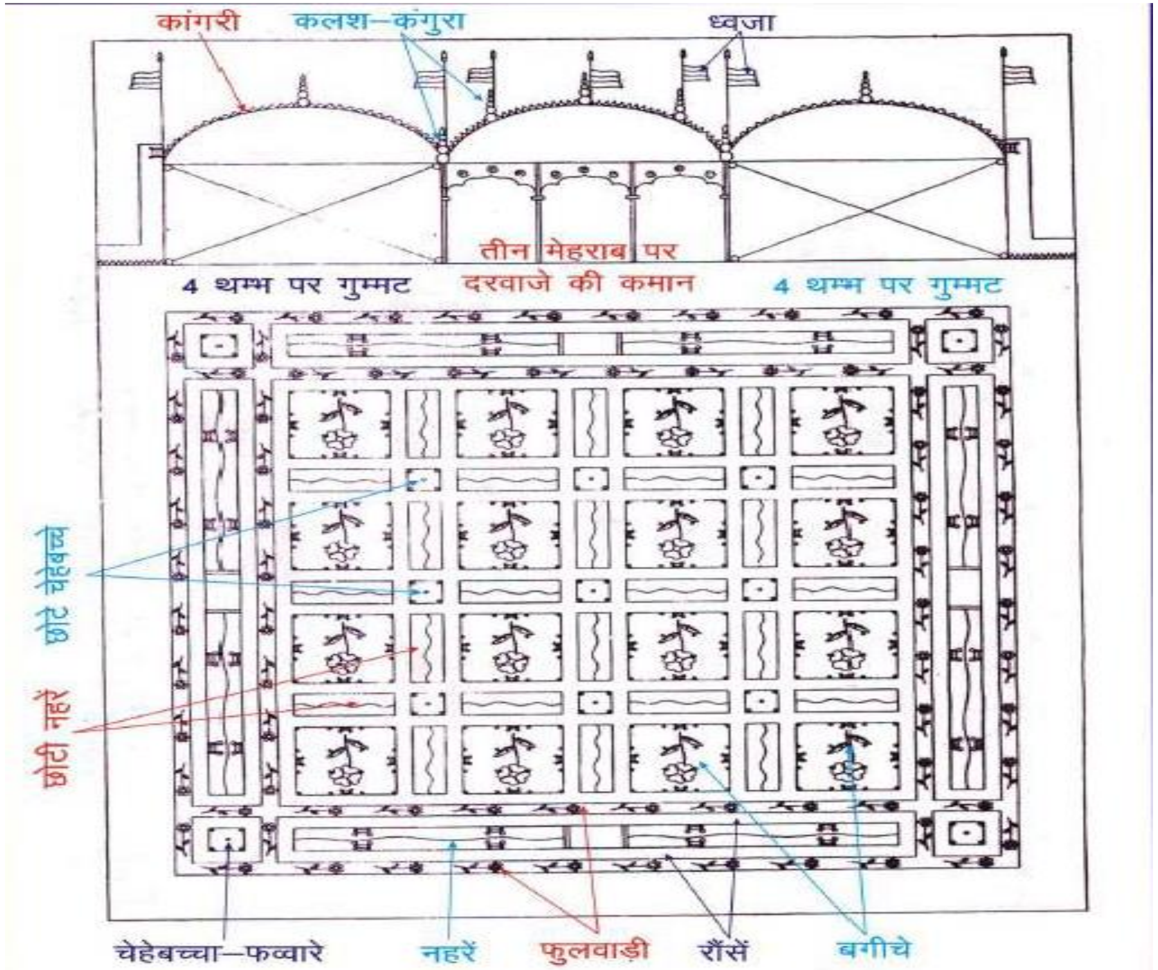

इन नूर रांग की रोसनी , क्यों कहूँ जुबां इन मुख ।
द्वार द्वारी कलस कंगूरे, ए लें हक हुकमें मोमिन सुख।।

बड़ी रांग – महाहवेली की चादनी में तापू महल की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

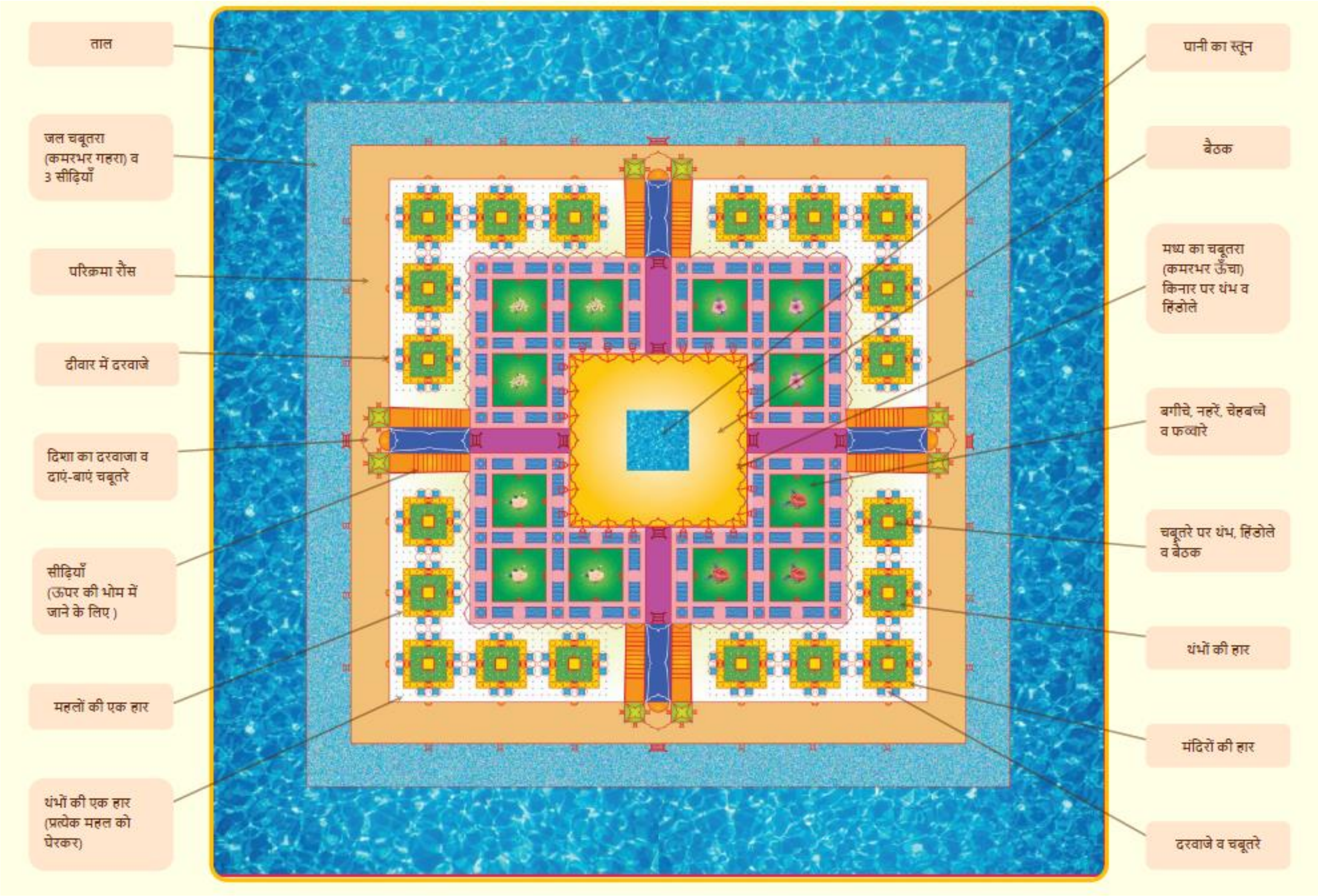

Quiz

बड़ी रांग – महाहवेली की चादनी में तापू महल की चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

Quiz

बड़ी रांग – महाहवेली की चादनी में तापू महल की चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

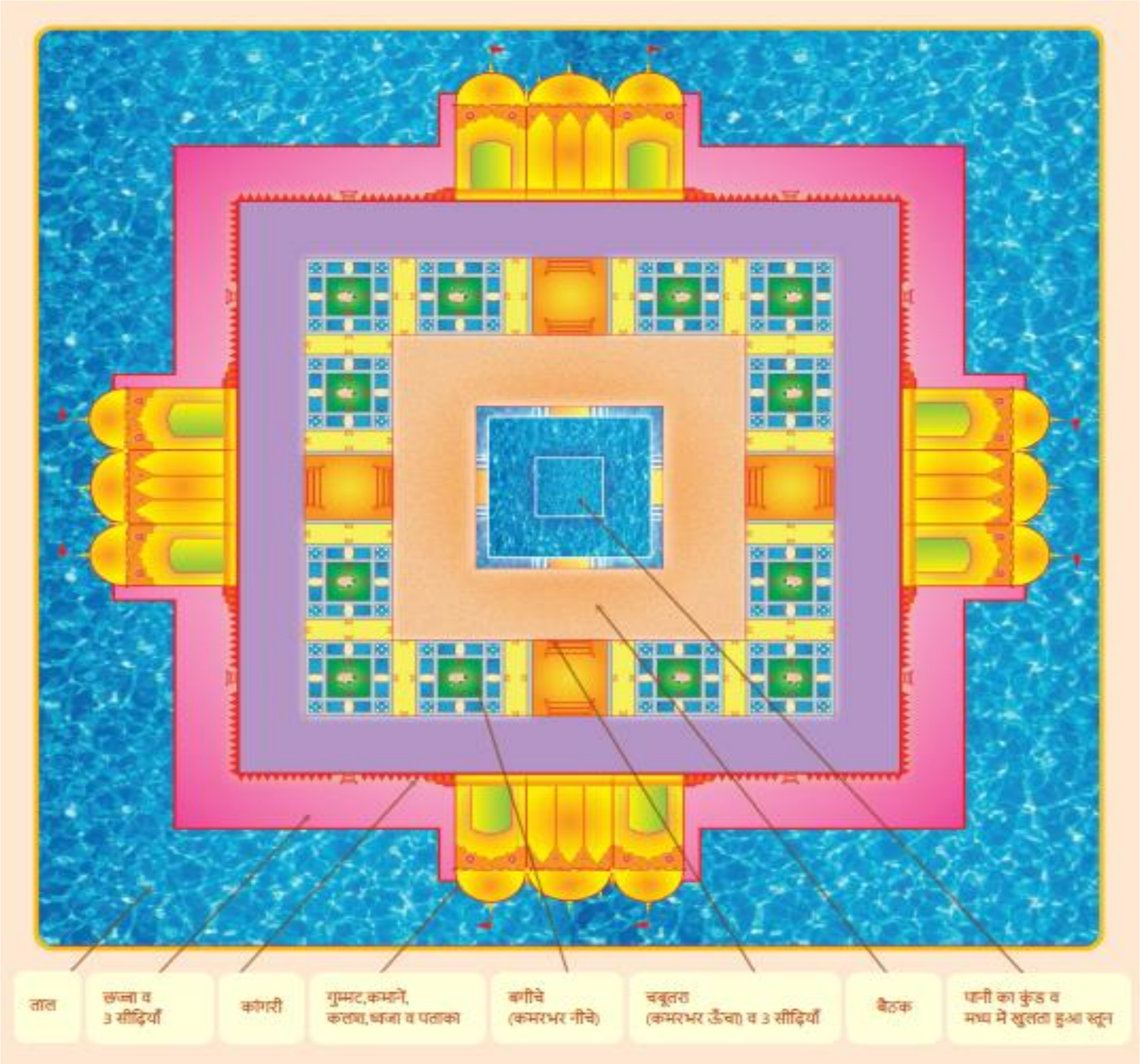

Quiz

बड़ी रांग – महाहवेली की चादनी में तापू महल की चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

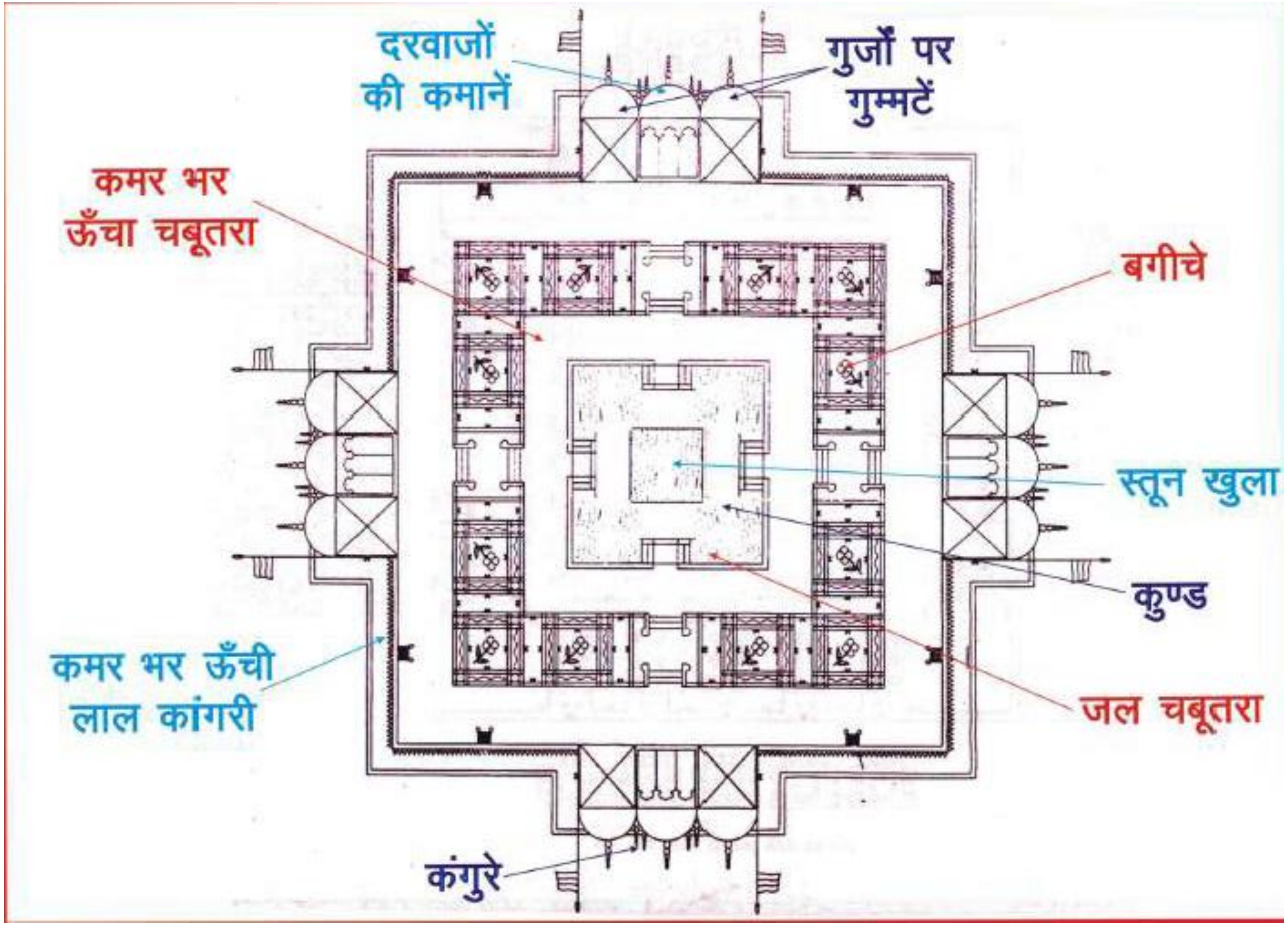

Quiz

बड़ी रांग – सागर के मध्य में टापू एवं टापू महलों की शोभा

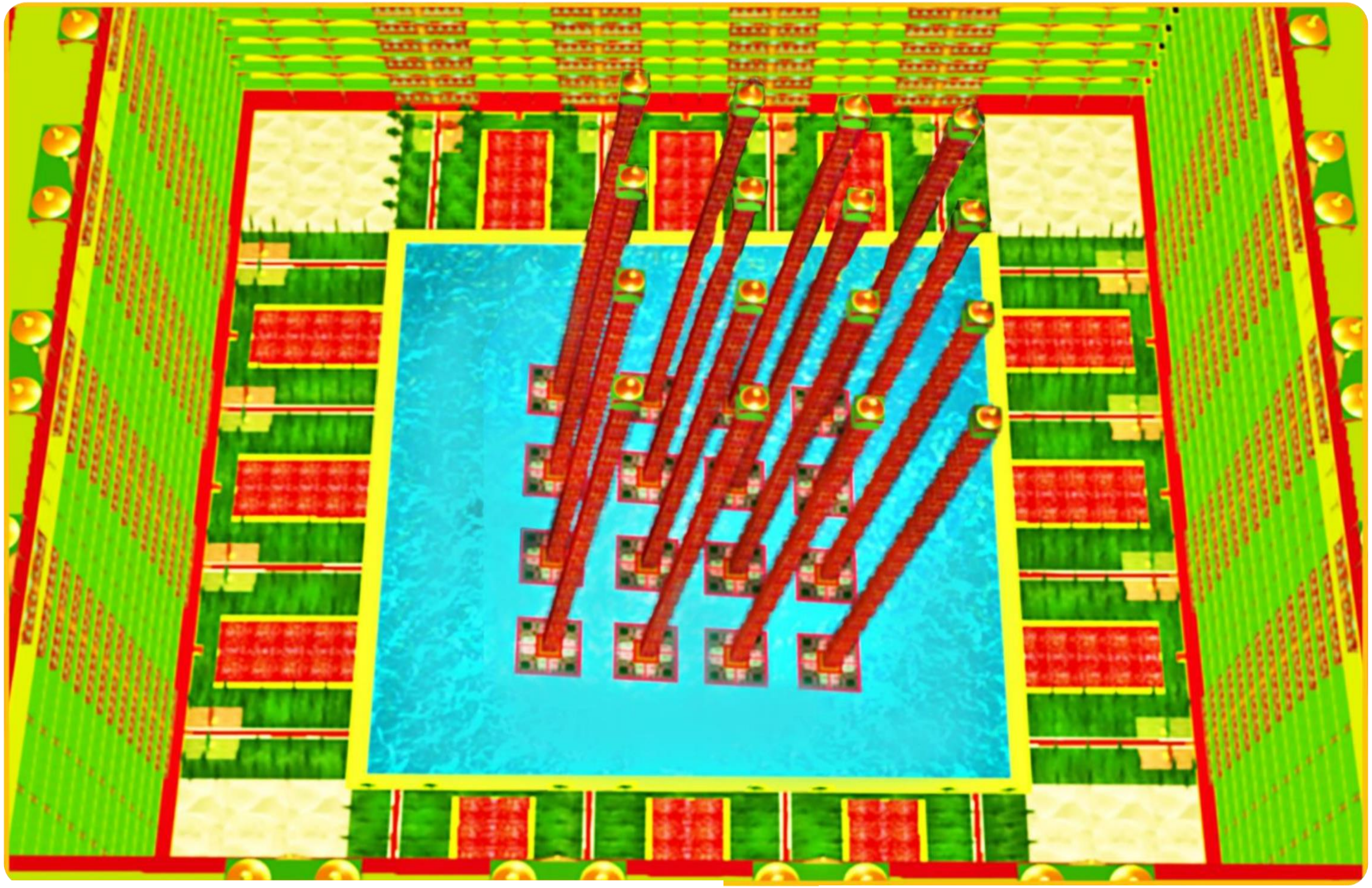

फिरता चारों तरफ चबूतरा , जहाँ हाथ लगत सागर।
छज्जे मोहोल आए तिन पर , तहाँ बैठक कठेड़े उपर ।।

जब बैठत तरफ दरियाव के , सागर लेहरी देखत नूर।
सुख रूप नैंना लेत हैं, सो क्यों कर कहूँ जहूर।।

बड़ी रांग – सागर के मध्य में टापू एवं टापू महलों की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

Quiz

बड़ी रांग – सागर के मध्य के एक टापू एवं टापू महल की शोभा

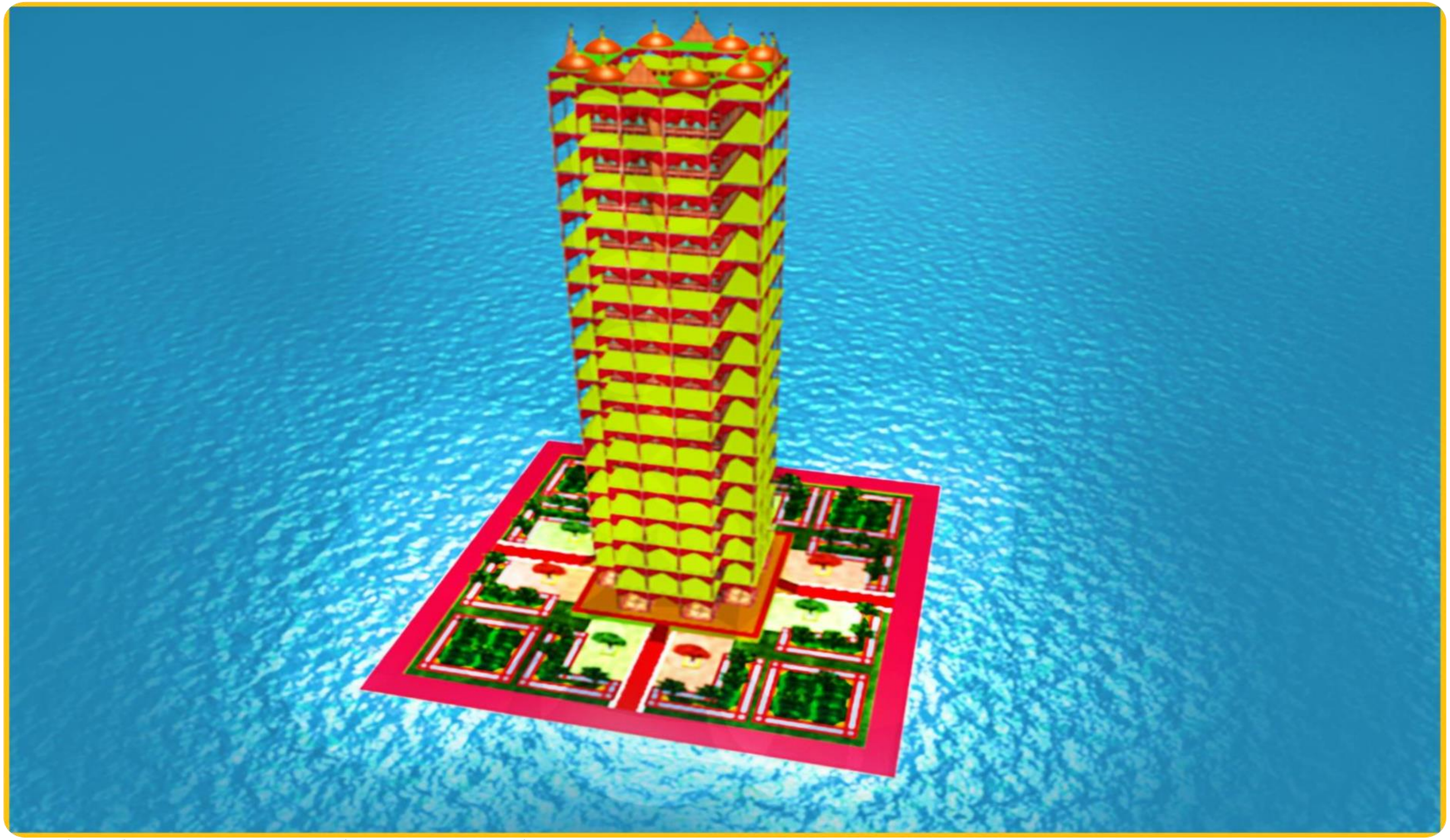

जीव छोटे बड़े कई जल के, अपने अपने ख्याल।
खेलें बोलें दौड़ें कूदें, खावंद को करें खुसाल।।
अनेक जानवर जल के , सो केते लेऊँ नाम ।
जल किनारे रटत हैं , पिऊ जस आठों जाम ।।

आगे सैर विध विध के , जब करें ऊपर सागर ।
कई विध के रस पूरन , सब पैरत हैं जानवर ।।

अनेक जानवर जल के , सो केते लेऊँ नाम ।
जल किनारे रटत हैं , पिऊ जस आठों जाम ।।

Quiz

बड़ी रांग – सागर के मध्य के एक टापू एवं टापू महल की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

Quiz

बड़ी रांग – सागर के मध्य के एक टापू एवं टापू महल की शोभा

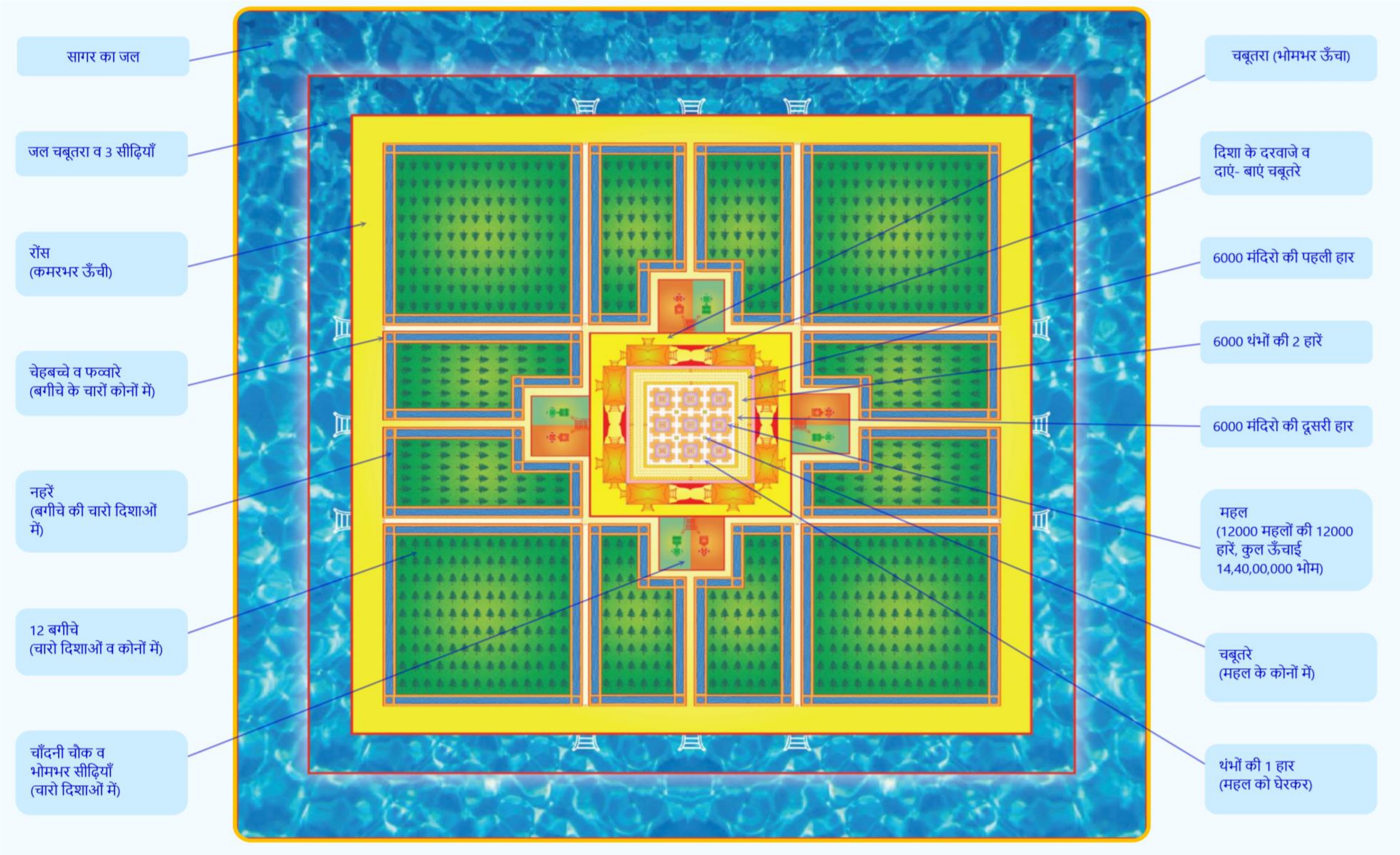

Quiz

बड़ी रांग – सागर के मध्य के एक टापूमहल की चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

Quiz

बड़ी रांग – सागर के मध्य के एक टापूमहल की चादनी की शोभा

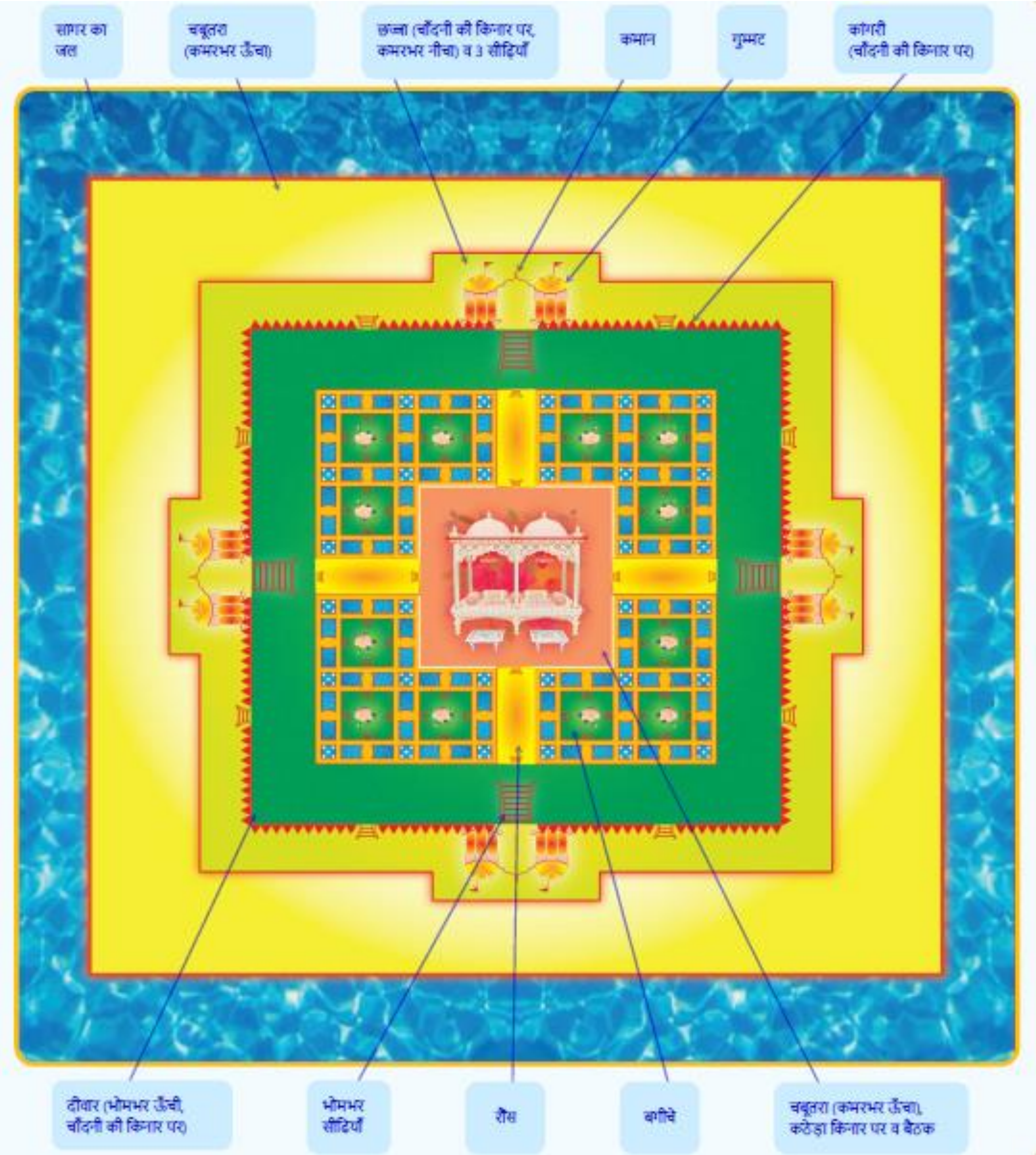

Quiz

बड़ी रांग – एक जिमी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

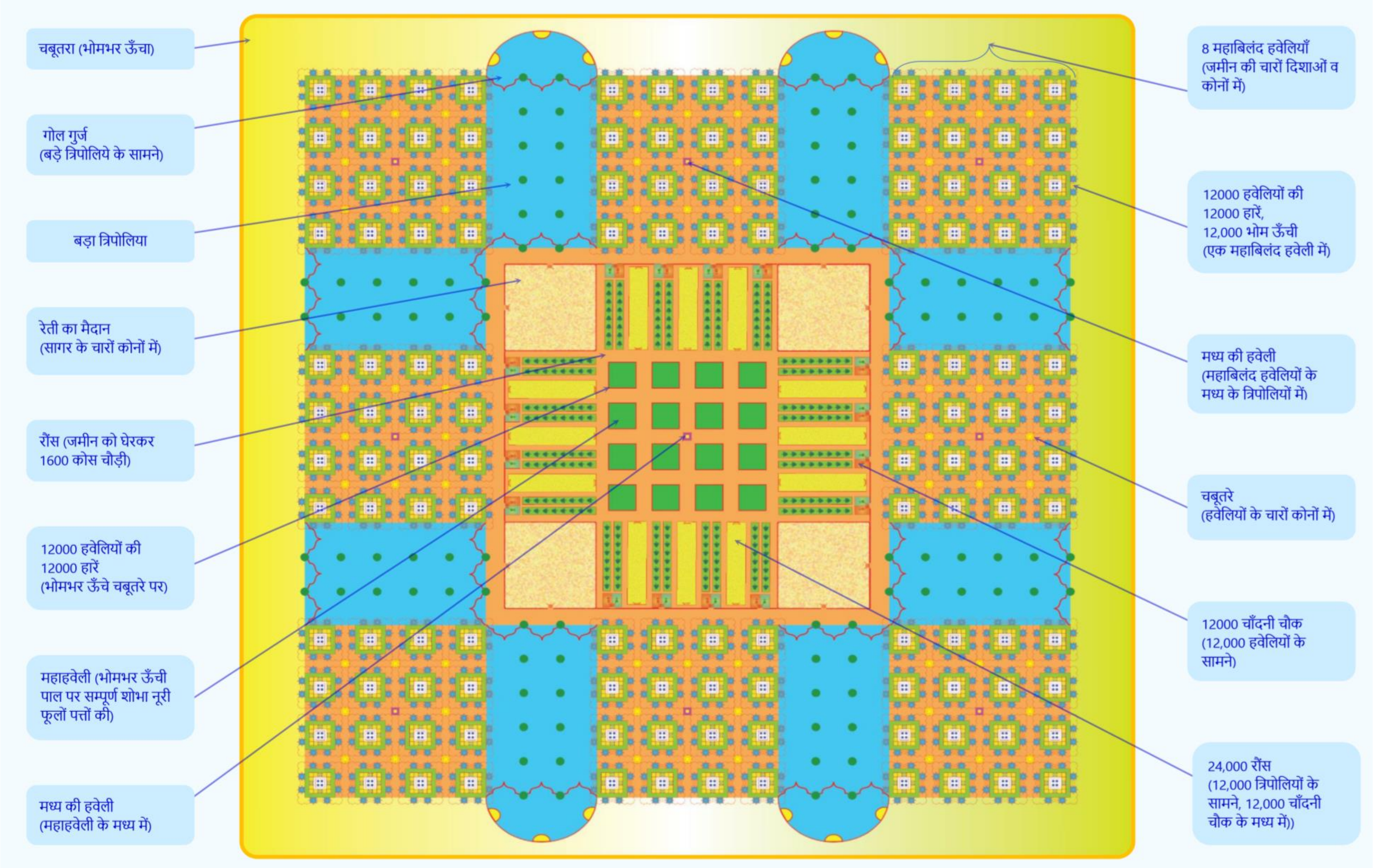

Quiz

बड़ी रांग – एक जिमी की शोभा

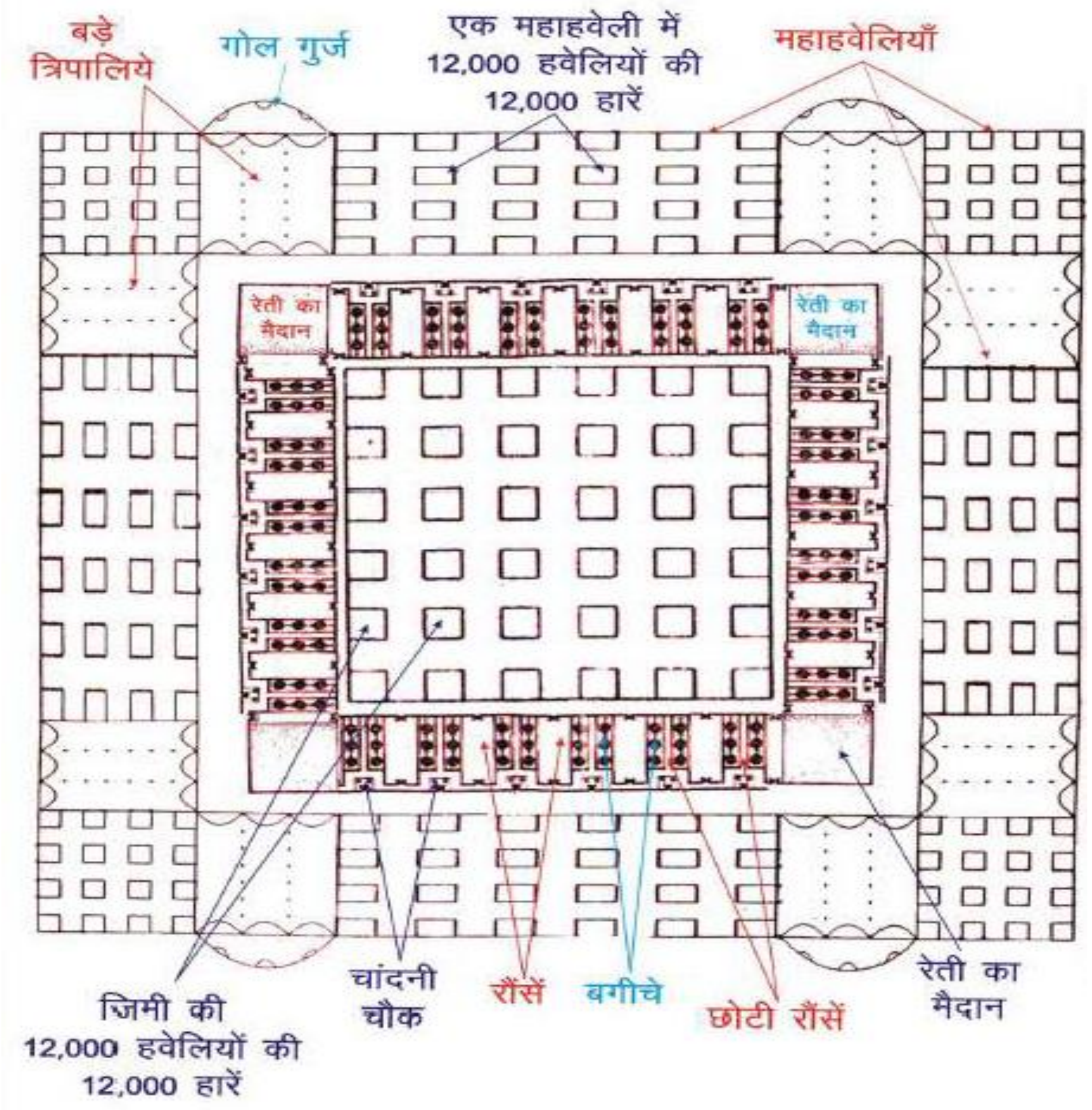

जिमी – 8

- महाहवेली – 8, 2 करोड़ 25 लाख कोस की लम्बे चौडे 12000 हवेली की 12000 हारें
  - छोंटी हवली - 1200 कोस लंबी चौडी
    - दरवाजे , चबूतरा, मंदिर, महल, थंभ
  - हवेलियों के कोनों के चबूतरा
  - हवेलियों की त्रिपॉलिया
  - मध्य की हवेली
  - महाहवेली की चादनी
    - गुम्मत, बगीचे, बेठक
    - देहलान,ताल
    - टापू महल – 20 भोम
    - टापू महल की चादनी
- गोल गुर्ज - 4
  - बड़ी त्रिपॉलिया
- चादनी चोक - 12000
- बगीचे - 12000
- रोंस - 24000
- रेती का मेदान – 4
- मध्य की महाहवेलि
  - 12000 हवेली की 12000 हारें
  - महाहवेलि की चादनी
    - गुम्मत, बगीचे, बेठक
    - देहलान,ताल
    - टापू महल – 20 भोम
    - टापू महल की चादनी

Quiz

इन भोम भोम कई मंदिर, पेड़ डारी कई दिवाल।
छाया बनी पात फूल की, कई बन मंदिर इन हाल।।
एक पेड़ दरखत का, कई दरखत तिन पर।
तिन पर कई मंदिर रचे , कई रेहेत अंदर जानवर।।

एक बिरिख को बरनन, ऐसे कई बिरिख तिन बन माहें।
तिन पर विस्तार अति बड़ो, सेहेर बसत जानों ताहें।।

कई रंग जिमी केती कहूँ , और कई रंग नूर दरखत ।
सोई जिमी रंग पसु पंखियों, कर तुहीं तुहीं जिकर करत।।

Quiz

महाहवेलियों की चांदनी
बगीचे
ताड़महल
ताल
दहलान
बगीचे
बगीचे
बगीचे
भोम भर ऊँची दीवाल
रेती का मैदान
बगीचे
रौंसें
बगीचे
रौंसें
बगीचे
रौंसें
बगीचे
भोम भर ऊँची दीवाल
गुम्मटें एवं कमानें
हवेलियाँ
त्रिपोलियाँ
हवेलियाँ
त्रिपोलियाँ
हवेलियाँ
त्रिपोलियाँ
हवेलियाँ
गुम्मट व कमानें

Quiz

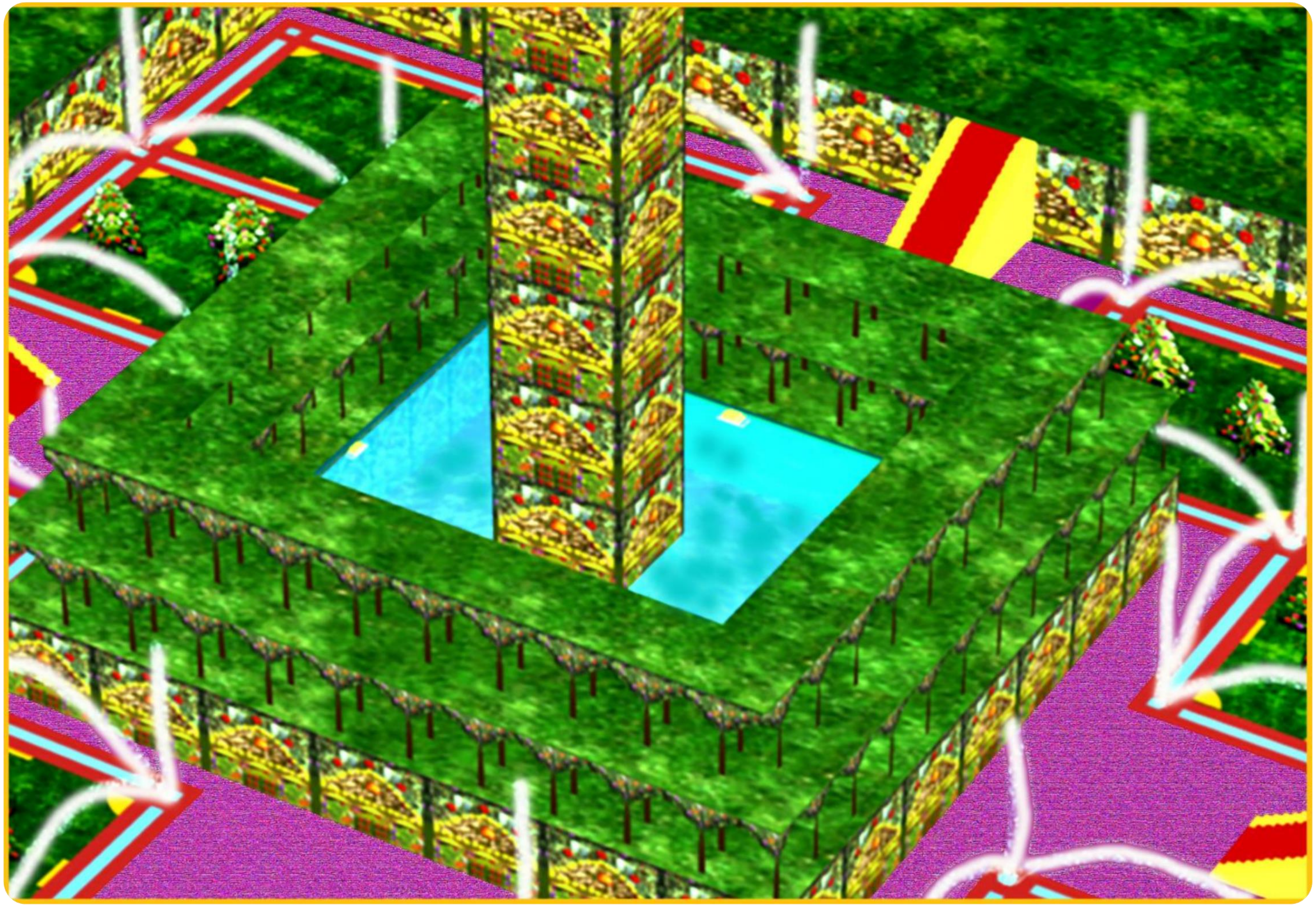

Quiz

बड़ी रांग – एक सागर एवं एक जिमी के चारों तरफ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

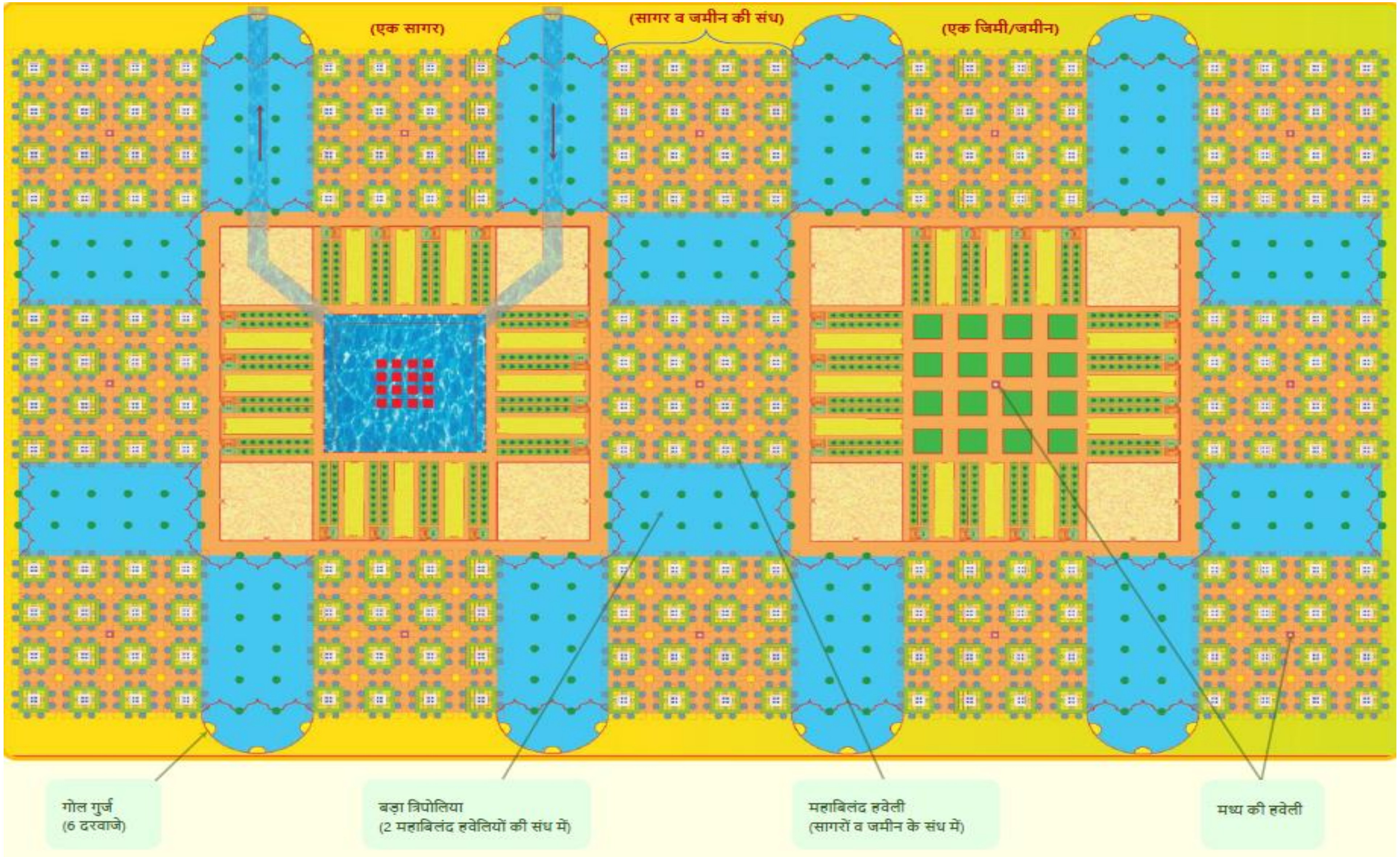

Quiz

बड़ी रांग – चारों ओर नहरों की शोभा जवेरों की नहेर, बड़ी नहेर & **महानद**

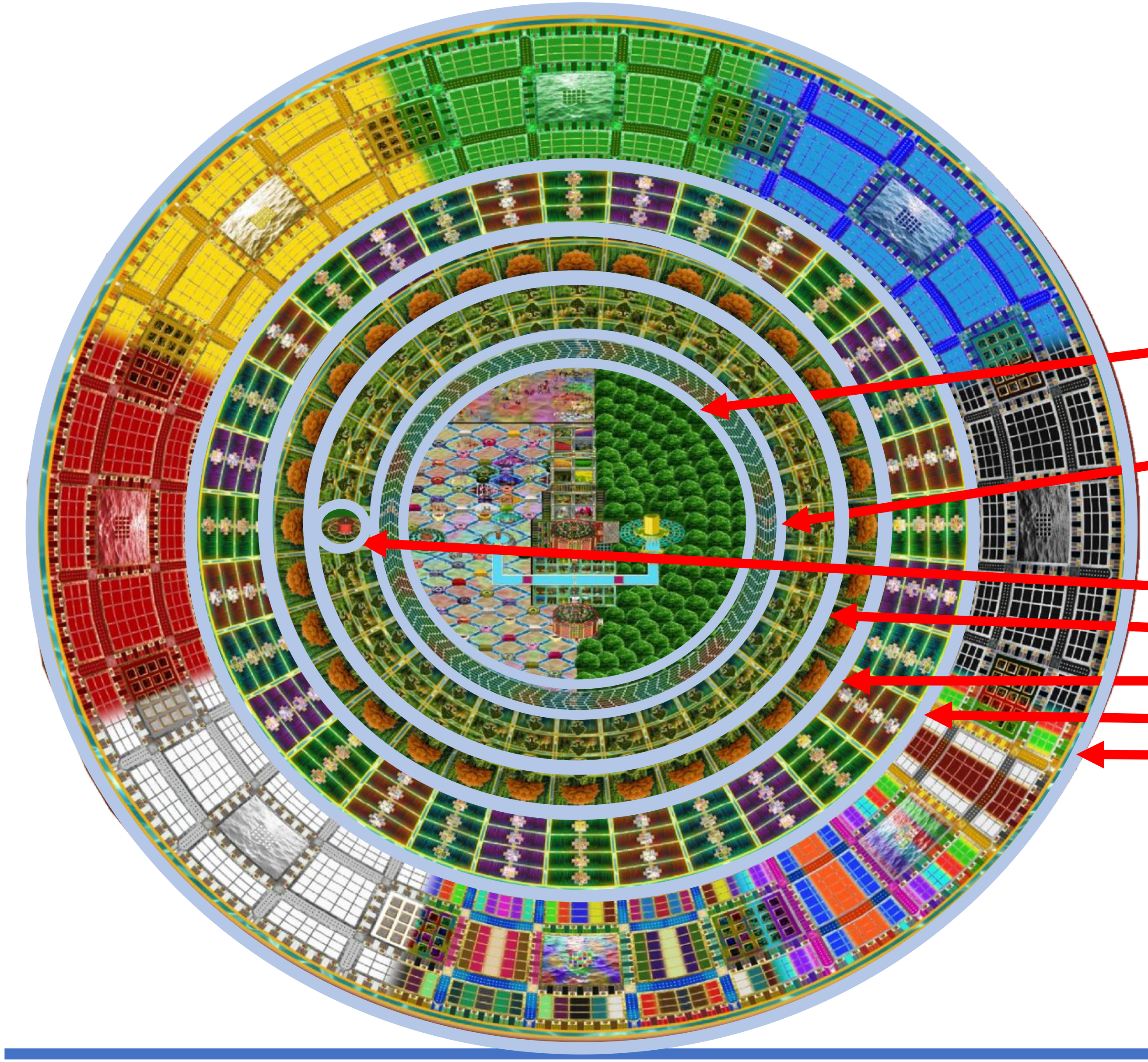

जवेरों की नहेर

बड़ी नहेर - जवेरों की नहेर & महावन के साथ लगकर

महानद

1. माणिक पहाड़ चारों ओर बाहरी side
2. महावन & वन की नहरे के साथ लगकर
3. चारहवेली/छोंटी रांग & वन की नहरे के साथ लगकर
4. चारहवेली/छोंटी रांग & <u>बड़ी रांग के साथ लगकर</u>
5. <u>बड़ी रांग के साथ लगकर</u>

Quiz

आठ सागर की बातुनी शोभा

Quiz

बड़ी रांग - आठ सागर की बातुनी शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

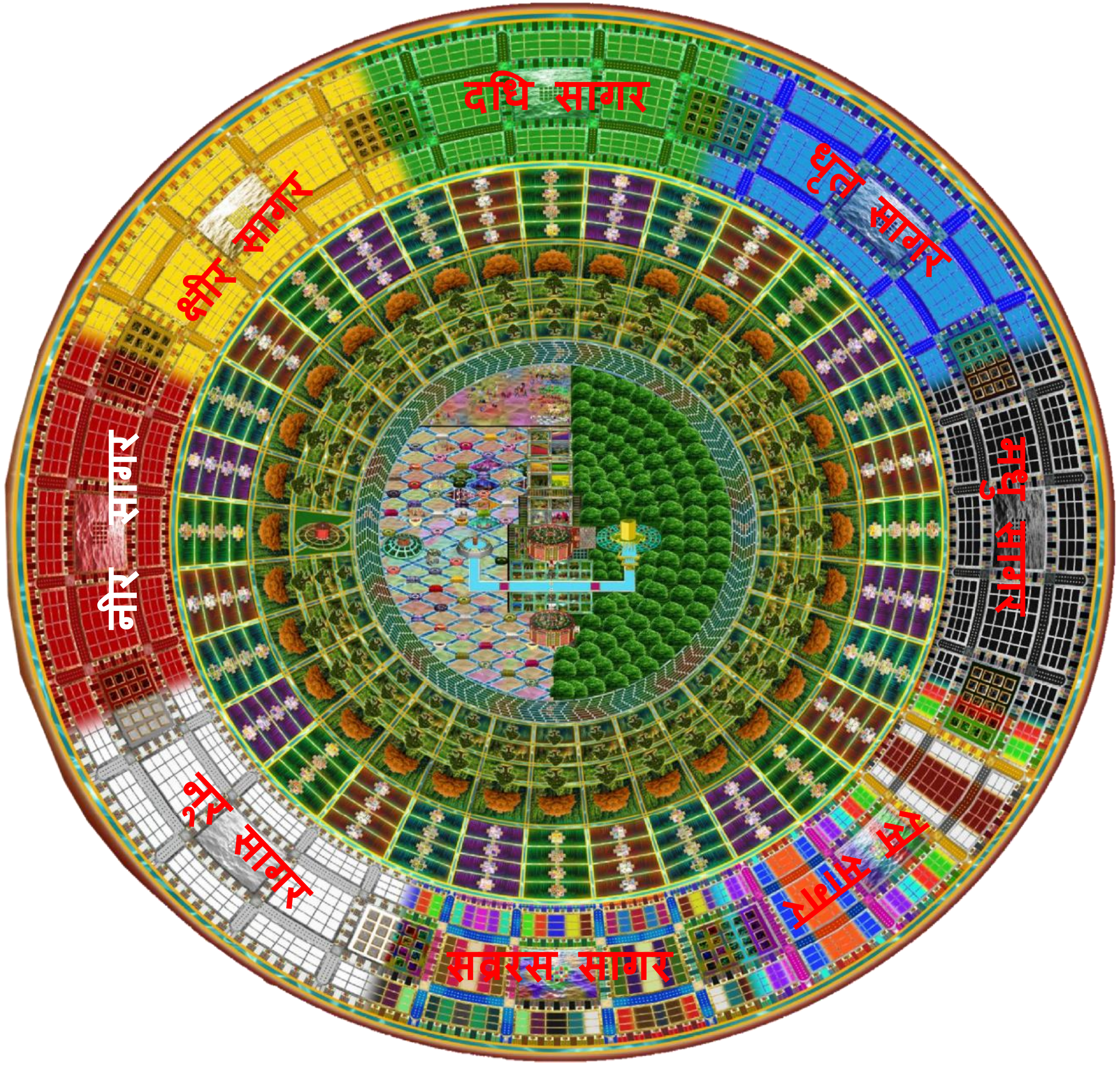

दधि सागर
घृत सागर
मधु सागर
रस सागर
सव्ररस सागर
नूर सागर
नीर सागर
क्षीर सागर

West
North
South
East

Quiz

बड़ी रांग - आठ सागर की बातुनी शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

श्री परमधाम की सात परिक्रमा

1. रंगमहल की नजदीकी परिक्रमा
2. हौज कौसर तालाब, कुंज- निकुंज वन, 24 हांस का महल, पश्चिम की चौगान, पुखराज पहाड़, यमुना जी व अक्षरधाम
3. जवेरों की नहरों/महलों के 9 फिरावे
4. माणिक पहाड़ की हद में बड़ोवन, मधुवन व महावन के फिरावे
5. वन की नहरें/महल
6. छोटी रांग/चार हार हवेली
7. बड़ी रांग - आठ सागर व आठ जमीन

आठ सागर

1. नूर सागर - श्री राजजी के मुखारबिंद की शोभा का सागर (सफेद)
2. नीर सागर - रूहों की शोभा का सागर (लाल)
3. क्षीर सागर - रूहों की एक दिली/वाहेदत का सागर (पीला)
4. दधि सागर - श्री युगल स्वरूप के सिनगार का सागर (हरा)
5. घृत सागर - इश्क का सागर (आसमानी)
6. मधु सागर - खुदाई इलम का सागर (स्याम)
7. रस सागर - निसबत का सागर (10 रंग)
8. सर्वरस सागर - मेहर का सागर (सर्व रंग/अनंत रंग)

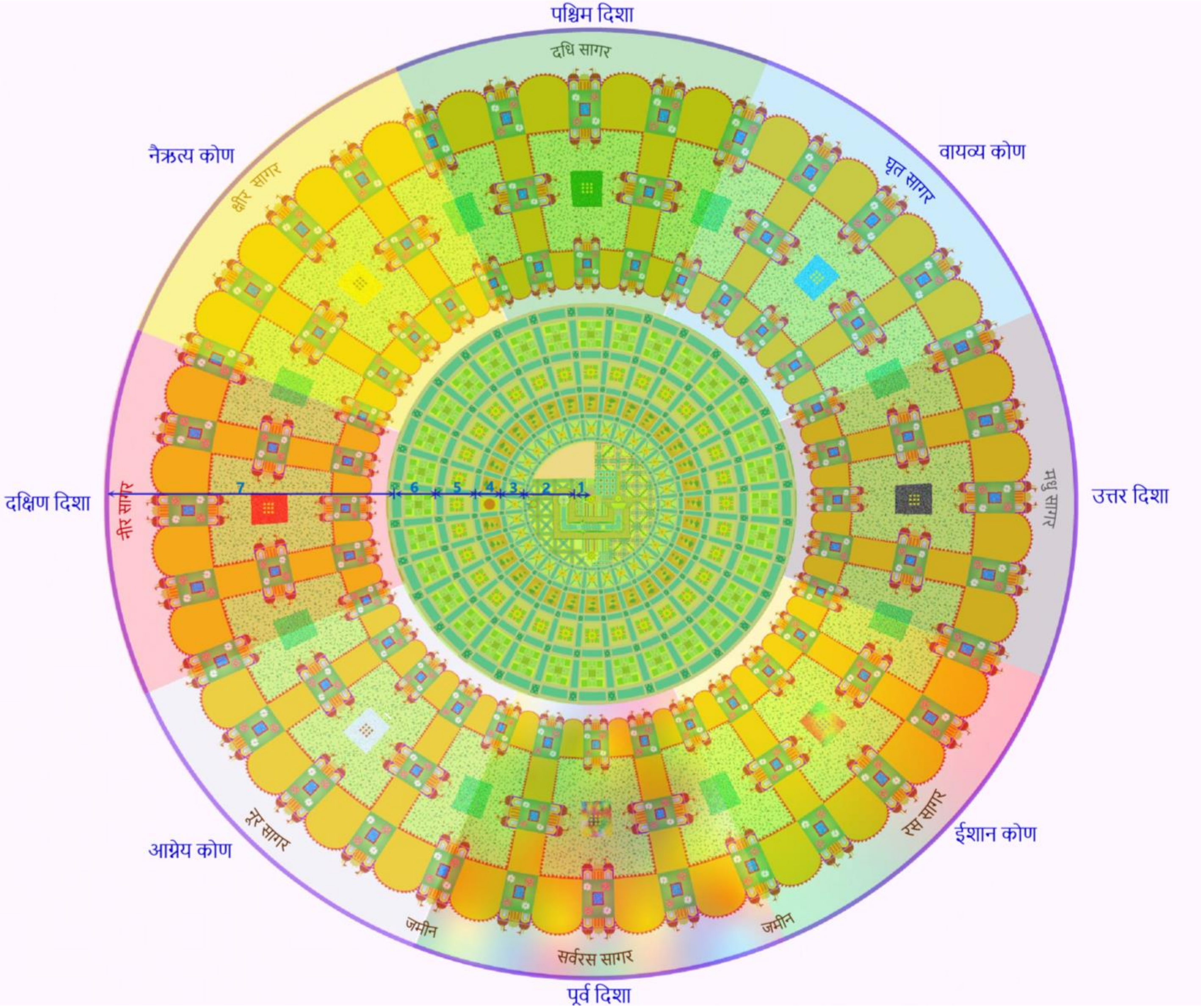

Quiz

दधि सागर
दिव्य सिनगार
SINGAR
जब आत्माएँ अपने धनी के अपार इश्कमयी नूरी सिनगार को निरखती है, तो उन्हें श्री राजजी के प्रेम की शीतलता व शांति प्राप्त होती है एवं आकर्षण होता है। आशिक - माशूक एक दूसरे के नूरी सिनगार को देखते हैं, तो आत्माएँ अपने धनी के इश्क सागर में डूब जाती है।
खीर सागर
ONENESS
घृत सागर
DEVINE LOVE
नीर सागर
DEVINE BEAUTY
श्री राजजी के हृदय में सदैव आनंद की लेहेरें उठा करती है। जो ब्रह्मात्माओं की शोभा के रुप में लालिमा लिये निर्मल नीर सागर के रुपमें परमधाम के दक्षिण में शोभायमान है। खीर सागर की एकदिली के प्रभाव से नीरसागर में पीलाशता भी दिखती है।
मधु सागर
DEVINE WISDOM
धनी के इश्क और इलम के माध्यम से आत्मा अपने धनी की अपरंपार मीठास का अनुभव कर सकती है। इश्क और इलम एक दूसरे के पूरक है। बिना इलम इश्क की लज्जत नहीं मिलती। धनी की पूर्ण पेहेचान में दोनों आवश्यक है।
नूर सागर
DEVINE BRILLIANCE
रस सागर
DEVINE RELATION
सच्चिदानंद परब्रह्म श्री राजजी के सर्व अंगो का सर्वरस सागर हुकम, जोश, इश्क, इलम, निसबत, सिनगार एवं वाहेदत का पूर्ण आनंद यहां प्राप्त है। मेहेर से धनी की पेहेचान होती है। मेहेर से चितवन द्वारा आतम जागृत होती है।
DEVINE GRACE
मेहेर सागर

Quiz

Quiz

OR

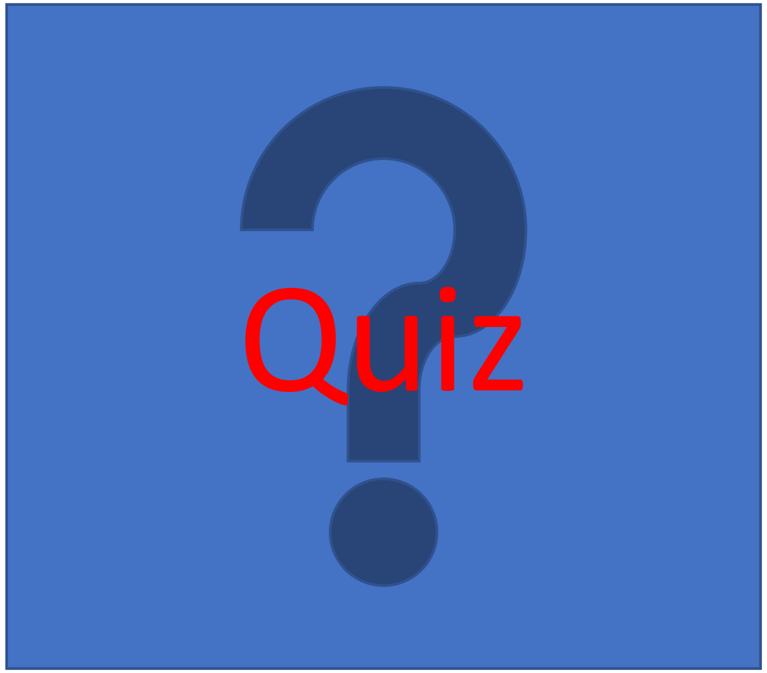

प्रणामजी – Pranamji